दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 05 जुलाई-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 196 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

ग्रीन बेल्ट पर मजार देख मेयर सुनीता दयाल का चढ़ा पारा, दिए एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश

मजार पर फूल चढ़ाने वाले की ली जमकर क्लास

फूल चढाने वाले की ली क्लास

करंट क्राइम। जिस समय मेयर सुनीता दयाल मजार को लेकर खादिम से जवाब तलब कर रही थी, उसी समय एक व्यक्ति वहां फूल चढाने पहुंचा। नजर पढते ही मेयर ने उसे जमकर डांटा। आगे से ऐसा नहीं करने की नसीहत दी। मेयर ने कहा कि ग्रीन बेल्ट पर मजार अवैध और अनैतिक है। वहां फूल चढाकर इसे स्थायी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मजे की बात यह है कि फूल चढाने वाला शख्स हिन्दू निकला, जिसकी मेयर ने खूब क्लास ली।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल अक्सर शहर का निरीक्षण कर जहां भी कुछ गलत होता दिखता है, वहां उसे ठीक कराने में जुट जाती है। उनके निरीक्षण से अवैध कब्जा करने वाले, नगर निगम के संसाधन का दुरुपयोग करने वाले और इधर-उधर कूडा फेंकने वालों को हमेशा भय लगा रहता है। शुक्रवार दोपहर को महापौर सुनीता दयाल शहर का निरीक्षण करने निकली तो उनकी नजर नया बस अड्डा यानि शहीद स्थल मेट्रो के पास ग्रीन बेल्ट पर बनी मजार पर पडी।

जीटी रोड के किनारे ग्रीन बेल्ट पर मजार देखते ही मेयर का पारा चढ गया। उन्होंने तुरंत गाडी रूकवाकर मजार के पास पहुंच गई। वहां एक खादिम मौजूद थे। मेयर ने खादिम से पूछा कि ग्रीन बेल्ट पर मजार कैसे बन गई। लेकिन खादिम कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे पाया। मेयर ने कहा कि यह तो सरासर सरकारी जमीन पर कब्जा है। इसे तुरंत हटाना होगा। उन्होंने उनके साथ चल रही नगर निगम की टीम के सदस्यों को मजार को हटाकर पौधे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही, मजार बनाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने ग्रीन बेल्ट पर से कब्जा हटाने का अभियान छेड रखा है। ग्रीन बेल्ट पर किसी तरह का अतिक्रमण सहन नहीं किया जाएगा।

दरअसल, जीटी रोड पर शहीद स्थल नया गाजियाबाद मेट्रो स्टेशन से थोड़ा पहले सड़क किनारे ग्रीन बेल्ट की जमीन पर अवैध मजार बना दी गई थी। जहां मजार बनाई गई उसके पीछे डिफेंस का प्रतिष्ठान है। महापौर ने कहा कि दो माह पहले मजार को हटाया गया था। फिर से मजार बना दी गई। महापौर का मजार बनाने वालों को डांटते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर जबर्दस्त वायरल हो गया।

कलक्ट्रेट परिसर में नमाज पढ़ने को लेकर गरमाया विवाद

बजरंग दल कार्यकर्ता पहुंचे कलक्ट्रेट और कहा- हम भी करेंगे हनुमान चालीसा का पाठ

प्रशासन को देना चाहिए इस पूरे मामले पर ध्यान: नंदकिशोर गुर्जर

करंट क्राइम। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर भी कलक्ट्रेट में नमाज वाले मामले में आ गए। उन्होंने कहा कि कलक्ट्रेट परिसर में नमाज की शुरूआत कुछ कट्टरपंथी लोगों ने की। ये लोग यहां का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। इनमें कलक्ट्रेट के कुछ बाबू, कुछ वकील और कुछ बाहर के लोग हैं। प्रशासन को इन सभी पर ध्यान देना चाहिए। बजरंग दल ने इस ओर ध्यान दिलाकर एक अच्छा काम किया है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा है कि पूजा-पाठ, प्रार्थना पर्दे की चीज हैं और सार्वजनिक जगहों पर इस तरह एकत्र होकर यह काम करना लोगों को डराने की भी एक कोशिश हो सकती है, ये गलत है। लोनी विधायक ने कहा कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं, कलक्ट्रेट परिसर में नमाज पढ़ रहे हैं, ऐसे लोगों पर कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। उन पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। ये लोग कलक्ट्रेट में उपद्रव कराना चाहते हैं।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कलक्ट्रेट परिसर में नमाज पढ़ने पर विवाद हो गया और शुक्रवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध करते हुए यदि यहां नमाज अदा की गई तो वो भी यहां कलक्ट्रेट परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। विरोध की स्थिति देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर शुक्रवार को कलक्ट्रेट परिसर में पीएसी बल तैनात किया गया। बजरंग दल के कार्यकर्ता कलक्ट्रेट परिसर पहुंच गए और प्रशासन की मामले की गंभीरता देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया। वहीं हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर खुले में नमाज पढ़ने पर रोक लगाने की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकारी कार्यालयों के सामने सार्वजनिक स्थल पर नमाज पढ़ना ना सिर्फ नियमों का उल्लंघन है बल्कि इससे आने-जाने वालों को असुविधा भी होती है। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि वो किसी भी हाल में पार्क में नमाज नहीं होने देंगे।

कांवड यात्रा को देखते हुए यातायात पुलिस ने जारी किया भारी वाहनों के लिए डायवर्जन प्लान

भारी वाहनों के लिए 11 जुलाई रात दस बजे से डायवर्जन प्लान होगा लागू

- कंट्रोल रूम के नंबर भी जारी किए गए

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 11 जुलाई से शुरू हो रही कांवड यात्रा के लिए गाजियाबाद यातायात पुलिस ने भारी वाहनों के लिए रूट निर्धारण कर दिया है। इस संबंध में शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अधिकारियों ने रूट निर्धारण को लेकर अपनी राय दी। भारी वाहनों जैसे ट्रक, बस, ट्रोला, ट्रैक्टर आदि के लिए डायवर्जन प्लान को फाइनल कर दिया गया है। यह डायवर्जन प्लान 11 जुलाई को रात दस बजे से 25 जुलाई तक प्रभावशाली रहेगा। डायवर्जन प्लान को कडाई से लागू कराने के लिए अपर पुलिस उपायुक्त, यातायात की ओर से शुक्रवार को गाजियाबाद के समस्त ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारियों के साथ पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में गोष्ठी भी आयोजित की गयी। उक्त गोष्ठी में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात, समस्त यातायात निरीक्षक एवं गाजियाबाद के ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

भारी वाहनों के लिए इस तरह का है डायवर्जन प्लान

दिल्ली की ओर से आने वाले भारी वाहनों (लोनी बॉर्डर, तुलसी निकेतन बार्डर, सीमापुरी बॉर्डर, आनन्द विहार बॉर्डर) का गाजियाबाद शहर में प्रवेश पूर्णतया: प्रतिबन्धित रहेगा, ऐसे वाहन जिनका गंतव्य स्थल हरिद्वार, अमरोहा, मुरादाबाद, लखनऊ आदि है, वो रोड नंबर 56 (चौधरी चरण सिंह मार्ग) का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) से गाजियाबाद में प्रवेश कर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-9 का प्रयोग करते हुए डासना इंटरसेक्शन से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे। बागपत की ओर से आने वाले वाहन जिन्हें दिल्ली की ओर जाना है, ट्रोनिका सिटी सोनिया विहार दिल्ली होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे। लोनी बॉर्डर से लोनी कस्बे की ओर भारी वाहनो का प्रवेश पूर्णतया: प्रतिबन्धित रहेगा। हापुड/बुलन्दशहर की ओर से आने वाले वाहनों का डासना पुल/लाल कुओं/आत्माराम स्टील प्लान्ट तिराहा से गाजियाबाद शहर की ओर परिचालन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा, ऐसे वाहन जिनका गंतव्य स्थल दिल्ली है, ये सभी वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-9 का प्रयोग करते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे। संतोष मेडिकल कट (जल निगम टी-पॉइंट) से नई लिंक रोड पर मेरठ तिराहा की ओर भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतया: प्रतिबन्धित रहेगा। गौर ग्रीन/ खोड़ा/ कालापत्थर/ सेक्टर 62/छिजारसी/कनावनी पुत्ता से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-09 होते हुए इन्द्रापुरम क्षेत्र में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित रहेगा। गंगनहर पटरी काँवड मार्ग/पाइपलाइन मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 34 (पूर्व में एनएच-58) एवं दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर भारी वाहनों का परिचालन पूर्णतया: प्रतिबन्धित रहेगा। ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर कुडली एवं पलवल की ओर से आने वाले सभी प्रकार के भारी वाहन दुहाई उतार से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-34 (पूर्व में एन0एच0-58) पर नहीं उतर सकेंगे। हापुड़ भोजपुर से आने वाले वाहनों का मोदीनगर की ओर परिचालन पूर्णतया: प्रतिबन्धित रहेगा। सौर ऊर्जा मार्ग से साहिबाबाद अंडरपास होकर साहिबाबाद स्टेशन कट जीटी रोड की ओर वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

गाजियाबाद यातायात पुलिस की ओर से कंट्रोल रूम का नंबर 9643322904 किया गया जारी

अधिकारियों ने बताया कि किसी भी तरह की परेशानी होने पर इस नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस की ओर से तत्काल सहायता मुहैया कराई जाएगी। कांवड़ियों की संख्या एवं कमिश्नरेट गाजियाबाद की यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत डायवर्जन दिनांक/रूट/यातायात डायवर्जन व्यवस्था में आवश्यकतानुसार कभी भी संसोधन किया जा सकता है। मुख्य कॉवड़ मार्ग के साथ साथ दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे को आवश्यकता पड़ने पर कंटेन्जेन्सी मार्ग/रूट के रूप में कभी भी प्रयोग में लाया जा सकता है। आवश्यक वस्तुओं का परिवहन करने वाले वाहनों को कॉवड़ियों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुये अलग से अनुमति दी जा सकती है।

महत्वपूर्ण फोन नम्बर-

नगर नियन्त्रण कक्ष-सीयूजी-9643208942
ग्रामीण नियन्त्रण कक्ष-सीयूजी-8929436700
ट्रान्स हिण्डन नियन्त्रण कक्ष-सीयूजी-9643204440
ट्रैफिक नियन्त्रण कक्ष-सीयूजी-9643322904
यातायात निरीक्षक गणों के क्षेत्र एवं उनके मोबाइल नम्बर-यातायात निरीक्षक प्रथम दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस दे। शहर क्षेत्र-7398000808
यातायात निरीक्षक तृतीय मुरादनगर/ मोदीनगर क्षेत्र-9058505770
यातायात निरीक्षक पंचम मोहननगर/तुलसी निकेतन/सीमापुरी क्षेत्र-8787066787
यातायात निरीक्षक द्वितीय मेरठ रोड/शहर क्षेत्र-8707676770
यातायात निरीक्षक चतुर्थ यूपी गेट/इन्द्रापुरम क्षेत्र-7007847097
यातायात निरीक्षक लोनी/लोनी बॉर्डर/ट्रोनिका सिटी/अंकुर विहार क्षेत्र 9219005151

शासन को प्रस्ताव निरस्त की रिपोर्ट भेजेगा नगर निगम: मुख्य कर निर्धारण अधिकारी

- हाउस टैक्स वसूली को बढ़ाया जाएगा और बढ़े एरिया को छुपाने वाले पर होगी कार्यवाही

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम की बोर्ड बैठक में बढ़ा हुआ संपत्ति कर वसूले का प्रस्ताव निरस्त हो गया है। अब ये रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी और उसी क्रम में कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने कहा कि सदन में बढ़ा हुआ संपत्ति कर वसूलने के प्रस्ताव को निरस्त किया गया है। अब उसी क्रम में कार्यवाही आगे बढ़ाते हुए कर की वसूली जारी रहेगी तथा सदन में शहर हित में हुए निर्णय को शासन को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन के आदेश के क्रम में पूर्व में भी जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। शहर हित सर्वोपरि है, इसे ध्यान में रखते हुए कार्य किये जाएंगे। सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय की कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराया जाएगा। जिसके लिये विभाग द्वारा कार्यवाही शुरू कर दी गई

है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने कहा कि नगर निगम टैक्स विभाग द्वारा ऐसी संपत्तियां जो टैक्स के दायरे से छूटी हुई हैं उन पर टैक्स लगाने का कार्य तेजी से किया जाएगा तथा ऐसे भवन स्वामी जो अपनी संपत्तियों का एरिया छुपाकर कम हाउस टैक्स जमा कर रहे हैं उनकी भी पैमाइश करते हुए जनहित में हाउस टैक्स वसूली को बढ़ाया जाएगा।

भाजपा पार्षद ने तीन महीने से डाल रखा है निगम के पार्क पर ताला

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम अतिक्रमण अभियान चला रहा है। नगर निगम अपनी संपत्ति को कब्जे से मुक्त करा रहा है, लेकिन नगर निगम का ही एक पार्क ऐसा है जिस पर नगर निगम के भाजपा पार्षद ने ताला डाल दिया है। बताया जाता है कि ये ताला तीन महीने से लगा हुआ है। लोग ताला लगने की वजह से पार्क में नहीं जा पा रहे हैं। मामला इंदिरापुरम के वार्ड-81 का है। यहां पर गुलाब वाटिका नाम का एक पार्क है। इस पार्क में पिछले तीन महीने से लोग नहीं जा पा रहे हैं। लोगों को ये इंतजार है कि जब पार्क के ताले खुले तो वो जाएंगे। ये पार्क नगर निगम उद्यान की संपत्ति है, लेकिन इस संपत्ति पर पार्षद ने ताला डाल दिया है। ये नगर निगम की जमीन है, लेकिन फिलहाल पार्षद के अधीन है। यहां ताले वाला सीन है, यहां के लोग बता रहे हैं कि पार्षद ने ये ताला भी पार्क में अंदर से डाला है। अब तीन महीने से इस पार्क पर पार्षद का ताला क्यों लगा हुआ है। इस पार्क में लोगों के जाने पर क्यों रोक है और पार्षद ने क्यों ये ताला डाल दिया है, ये निगम अधिकारियों को बताना क्योंकि पार्क निगम की संपत्ति है और सरकारी संपत्ति पर किसी का भी व्यक्तिगत ताला नहीं लग सकता है। जनता कह रही है कि यदि इसका ताला खुल जाए तो लोगों को लाभ होगा। वहीं सूत्र ये भी बताते हैं कि पार्क में ये ताला अतिक्रमण वाली किसी शिकायत से जुड़ा है और इसीलिये ही पार्षद ने ताला डाला है। यहां असामाजिक तत्वों के जमावड़े और अतिक्रमण की भी शिकायत वाला सीन बताया जा रहा है, लेकिन लोगों का ये कहना है कि यदि ऐसी भी कोई बात है तो पार्षद असामाजिक तत्वों की शिकायत थाने में और अतिक्रमण की शिकायत नगर निगम में कर सकते थे, लेकिन पार्षद ने अपना ताला नगर निगम की संपत्ति पर क्यों डाल दिया और सबसे हैरानी की बात ये है कि पार्षद ने निगम की संपत्ति पर तीन महीने से ताला डाला हुआ है और निगम के अधिकारियों को इसकी खबर तक नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, कई इलाकों में झमाझम बारिश

मौसम विभाग ने आज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली। दिल्ली समेत एनसीआर में शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज और गाजीपुर इलाके में झमाझम बारिश हुई है। वहीं एनसीआर के आसमान में बादल छाए हुए हैं और हल्की हवा भी चल रही है। मौसम विभाग ने दिल्ली में पहले ही अलर्ट जारी किया हुआ है। कई इलाकों में बारिश हुई हो रही है। कन्हैया नगर में भी दोपहर को झमाझम बारिश से मौसम पूरी तरह से बदल गया। लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली।

बीते बृहस्पतिवार को दिल्ली में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हुई। दिनभर आंशिक रूप से छाए बादलों के बीच तीखी धूप भी निकली रही। बृहस्पतिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री की कमी के साथ 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.2 डिग्री कम 27.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, हवा में नमी का न्यूनतम स्तर 59 प्रतिशत रहा।

मौसम विभाग ने 5 जुलाई को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे में लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, 6, 7, 8 और 9 जुलाई को दिल्ली में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। यानी पूरे हफ्ते बादलों के आने-जाने का सिलसिला बरकरार रहेगा।

6, 7, 8 और 9 जुलाई को दिल्ली में विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बौछारें देखी जा सकती हैं। ऐसे में 6, 7, 8 और 9 जुलाई को अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जाएगा।

कृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद : हिंदू पक्षकारों को लगा झटका

ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में बड़ा फैसला दिया है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राम मनोहर मिश्र की सिंगल बेंच ने मस्जिद को विवादित ढांचा मानने से इनकार कर दिया है।

कोर्ट ने यह फैसला हिंदू पक्षकार एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह की दाखिल याचिका पर दिया गया है।

याचिका में बताया गया था कि हिंदू मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाई गई है। मुस्लिम पक्ष के पास जमीन के कोई कागज नहीं है। इसलिए हिंदू पक्ष ने मांग कि थी कि शाही ईदगाह को विवादित घोषित किया जाए। 23 मई को कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

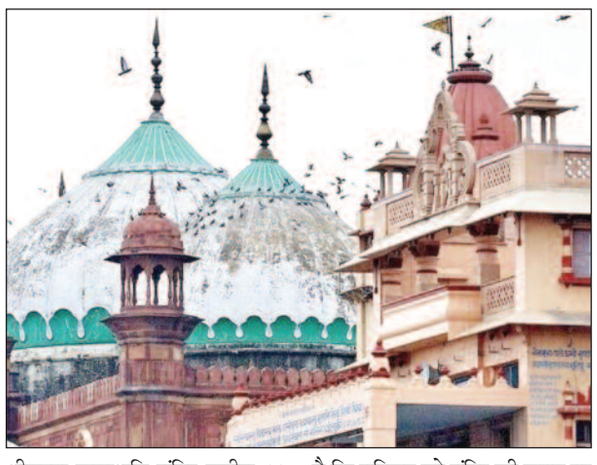

क्या है पूरा मामला : मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर करीब 11 एकड़ में है। वहीं 2.37 एकड़ में मस्जिद है। साल 1669-70 में मुगल शासक औरंगजेब ने मस्जिद का निर्माण कराया था। हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद को मंदिर की जगह पर बनाया गया है। इसके लेकर हिंदू पक्ष ने कोर्ट में केस किया है। साल 1968 में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ और शाही ईदगाह मस्जिद प्रबंधन कमेटी के बीच मस्जिद को उसी स्थान पर रखने का समझौता हुआ था। मुस्लिम पक्ष कोर्ट में उसी समझौते को आधार बनाकर पेश करता है।

मुस्लिम पक्ष ने दिया उपासना स्थल अधिनियम का हवाला : मुस्लिम पक्षों ने कोर्ट में बताया कि मुस्लिम पक्ष ने उपासना स्थल कानून यानी प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 का तर्क देकर मुकदमा को बेवजह बताया।

बताया कि कानून में साफ लिखा है कि 15 अगस्त, 1947 यानी आजादी के बाद भारत में मौजूद किसी भी धार्मिक स्थल का स्वरूप नहीं बदला जा सकता। साथ ही ऐसे मामलों में कोई मुकदमा भी दर्ज नहीं हो सकता है। इसके अलावा मुस्लिम पक्ष ने 60 साल दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते को भी आधार बनाया।

अंबुआ की डारी बोले कोयलवा ... : सीएम योगी ने आम महोत्सव 2025 का किया शुभारंभ

800 प्रजातियों को देखने और चखने का मिलेगा मौका

लखनऊ। लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में तीन दिवसीय आम महोत्सव का शुभारंभ आज से हो गया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोत्सव का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में आम की 800 प्रजातियों को देखने और चखने का अवसर लोगों को मिलेगा। इस मौके पर सीएम योगी ने हरी झंडी दिखाकर आम के कंटेनर लंदन और दुबई के लिए रवाना किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विजन के अनुरूप हमारा किसान आज कृषि की उन्नत तकनीकों को अपना कर लाभ कमा रहा है। आम महोत्सव सिर्फ महोत्सव नहीं है। यह तकनीक के विकास का माध्यम बन रहा है। डबल इंजन की सरकार ने चार पैक हाउस बनाए हैं। इससे निर्यात बढ़ रहा है। औद्यानिक फसलों से जुड़े बागवान को एक्सपोर्ट के लिए प्रशिक्षित करते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का आम विदेश भेजा जा रहा है। भविष्य में इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी। उत्तर प्रदेश में 25 से 30 फीसदी जीडीपी कृषि की है। इसे बढ़ा रहे हैं। विकसित भारत की संकल्पना आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में जल परियोजनाएं आईं। जल की समस्या का समाधान हुआ है। वहां पैदावार बढ़ी है।

बहुफसली खेती हो रही है। आलू के बाद मक्का की खेती हो रही है। एक एकड़ मक्का में एक लाख का मुनाफा हो रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित कर रहे हैं। सभी मिलकर खेती और अन्नदाता को आगे बढ़ा रहे हैं। मेडिसिन प्लांट भी लग रहे हैं। इससे आर्थिक समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि हमें ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। औद्यानिक विशेषज्ञों को मदद के लिए तैयार रहना होगा।

रेखा गुप्ता के बंगले के रेनोवेशन टेंडर पर विवाद

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बंगले के लिए एक टेंडर जारी किया है। घर के निर्माण के लिए जारी किए गए इस टेंडर की खास बात यह है कि इसे सीएम के आधिकारिक आवास के निर्माण के लिए नहीं, बल्कि रेनोवेशन के लिए जारी किया गया है।

पीडब्ल्यूडी ने इसके लिए 60 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। इसे लेकर दिल्ली में मुख्य विपक्षी दल- आम आदमी पार्टी (आप) के साथ-साथ कांग्रेस ने भी सीएम रेखा गुप्ता को घेरा है। आप ने रेखा गुप्ता के बंगले को माया महल बुलाना भी शुरू कर दिया है।

9 लाख से ज्यादा के टीवी, 14 एसी, 91 हजार के गीजर

बताया गया है कि रेखा गुप्ता को दो बंगले आवंटित हुए थे। इनमें से पीडब्ल्यूडी ने बंगला नंबर-1 के लिए रेनोवेशन का टेंडर जारी किया है। यहां मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता खुद रहेंगी। वहीं, उनका दूसरा बंगला, बंगला नंबर-2 फिलहाल कैंप ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा।

बंगला नंबर-1 को लेकर खास बात यह है कि पहले यहां दिल्ली के उपराज्यपाल का दफ्तर था। इसके चलते बंगले में कमरों को अलग-अलग केबिन में बांट दिया गया था। एक-एक कमरे को दो या तीन वर्गों में किया गया था, ताकि यहां सरकारी कर्मियों के लिए क्यूबिकल्स बनाए जा सकें। ऐसे में जब रेखा गुप्ता ने जून में इस बंगले को अपना निवास बनाए जाने के लिए चुना था, तब अनुमान लगाया जा रहा था कि इसका रेनोवेशन नए सिरे से कराया जाएगा।

गौरतलब है कि रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बनने के बाद से अब तक अपने परिवार के साथ अपने शालीमार बाग स्थित निजी निवास पर रह रही हैं। एक मीडिया ग्रुप ने कुछ समय पहले ही जानकारी दी थी कि रेखा गुप्ता पहले लुटियंस दिल्ली में अपने रहने के लिए घर ढूंढ रही थीं, लेकिन पीडब्ल्यूडी के पास केंद्र सरकार के प्रबंधन के अंतर्गत आने वाले बंगलों से बदलने के लिए कोई ढंग का बंगला नहीं था।

टेंडर के मुताबिक, 60 लाख रुपये का जो टेंडर जारी हुआ है, उसमें खर्च किसी निर्माण कार्य में नहीं होना है। बल्कि सिर्फ इलेक्ट्रिकल और इंटीरियर फिटिंग से जुड़े काम कराए जाने हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राजनिवास पर सीएम रेखा गुप्ता को जो बंगला मिला है, वह टाइप-7 का बंगला है। इसमें चार बेडरूम, ड्रॉइंग रूम, बिजनेस हॉल, एक कॉमन हॉल, आगंतुकों के लिए एक विजिटर हॉल, हाउस हेल्प के लिए कमरा, सभी में बाथरूम, एक बड़ा लॉन, किचन और घर के पीछे एक बैक यार्ड शामिल है।

पुणे दुष्कर्म केस: 24 घंटे बाद भी दरिंदा फरार, सेल्फी लेकर लिखा था- फिर आऊंगा

पुणे। पुणे में बीते दिन 22 वर्षीय आईटी पेशेवर युवती के साथ दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में सियासत शुरू हो गई है। एनसीपी शरद गुट के विधायक रोहित पवार ने इसे लेकर प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की स्थिति बदहाल हो गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास आरोपी की फोटो भी मौजूद है फिर भी पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही है। वहीं, शिवसेना एमएलसी डॉ. नीलम गोरहे ने भी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

गौरतलब है कि बुधवार शाम कोंढवा इलाके में एक आवासीय सोसायटी में एक अज्ञात व्यक्ति ने कूरियर ब्वॉय बनकर एक युवती के फ्लैट में घुस कर उसके साथ दरिंदगी की थी और इसके बाद फरार हो गया। इस मामले में 24 घंटे बाद भी पुलिस आरोपी को पकड़ नहीं पाई है। हालांकि पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

रोहित पवार ने राज्य सरकार पर लगाए आरोप : पुणे दुष्कर्म मामले में एनसीपी–एससीपी विधायक रोहित पवार ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि यहां स्थिति बहुत खराब है। आरोपी की हिम्मत देखिए कि उसने (पीड़ित) लड़की के फोन में सेल्फी लेकर संदेश लिख दिया कि 'मैं वापस आऊंगा'। इस मामले में पुलिस के पास आरोपी की फोटो भी मौजूद है फिर भी पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही है। महाराष्ट्र में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बहुत खराब है।

'बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने का प्रयास किया लेकिन जयराम ने रुकने की दी सलाह' : कंगना

मंडी। हिमाचल के मंडी जिले के अलग-अलग भागों में सोमवार रात बादल फटने और भारी बारिश से आई बाढ़, भूस्खलन से मची तबाही के बाद प्रभावित क्षेत्रों की सुध नहीं लेने के आरोपों पर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहीं सांसद कंगना रणौत ने अपना स्पष्टीकरण दिया है।

मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद कंगना ने अपने फेसबुक अकाउंट पर जारी एक पोस्ट में लिखा- 'हिमाचल में लगभग हर साल बाढ़ से होने वाली तबाही को देखना दिल दहलाने वाला है। मैंने मंडी के सराज और अन्य इलाकों में बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने की कोशिश की, लेकिन विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर जी ने सलाह दी कि जब तक संपर्क और प्रभावित इलाकों तक पहुंच बहाल नहीं हो जाती, तब तक इंतजार करें।'

सांसद कंगना ने आगे कहा कि मंडी डीसी ने आज रेड अलर्ट भी जारी किया है। इस पर अधिकारियों की मंजूरी का इंतजार है, जल्द से जल्द वहां पहुंचूंगी। हालांकि, उनकी इस पोस्ट पर भी लोगों ने कई कमेंट्स किए हैं।

एक यूजर ने लिखा- यह प्रतीक्षा करने का समय नहीं है, यह कार्रवाई का समय है, संकट में लोगों के साथ खड़े होने का समय है। ईमानदारी से, यह देरी निराशाजनक है और हमने आपसे ऐसी कोई उम्मीद नहीं की थी। लोगों को आपकी जरूरत जमीन पर है, मंजूरी के पीछे नहीं। कृपया पुनर्विचार करें- आपकी उपस्थिति न केवल राहत ला सकती है बल्कि आशा भी ला सकती है। बता दें, बीते दिन जयराम ठाकुर ने कंगना के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में न आने के प्रश्न पर टिप्पणी करने से इन्कार किया था।

कोलकाता दुष्कर्म कांड में पुलिस ने रीक्रिएट किया सीन, मौका-ए-वारदात का किया दौरा

कोलकाता। कोलकाता पुलिस के अधिकारी शुक्रवार को छात्रा के सामूहिक दुष्कर्म के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए चार लोगों को साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज ले गए। वहां पुलिस ने अपराध स्थल पर क्राइम सीन को रीक्रिएट किया।

एक अधिकारी ने कहा बताया कि तीन मुख्य आरोपियों पूर्व छात्र और संविदा कर्मचारी मनोजीत मिश्रा, वर्तमान छात्र प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद को सुबह करीब 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। उनके साथ सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी भी मौजूद था। इस प्रक्रिया को पूरा करने में करीब चार घंटे लगे।

क्राइम सीन रीक्रिएट करना जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा : अधिकारी ने पीटीआई को बताया, 'अपराध स्थल पर क्राइम सीन रीक्रिएट करना जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने आज यह काम पूरा कर लिया। चारों आरोपियों को आज सुबह साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज ले जाया गया और काम पूरा हो गया।' एक बड़ी पुलिस टीम की मौजूदगी में की गई पूरी प्रक्रिया चार घंटे तक चली, जिसके बाद चारों को वापस पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

अधिकारी ने कहा, 'हमारे निष्कर्षों की अब महिला के आरोपों के साथ जांच की जाएगी और अन्य साक्ष्यों के साथ पुष्टि की जाएगी।' सुरक्षा गार्ड को बाद में अदालत में पेश किया जाएगा, क्योंकि उसकी पुलिस रिमांड 4 जुलाई तक थी। 24 वर्षीय महिला के साथ कथित दुष्कर्म पहले मनोजीत मिश्रा ने किया था। 25 जून की शाम को कॉलेज के दो वरिष्ठ छात्रों ने उसकी सहायता की थी।

पीड़िता ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा कि यह अपराध परिसर के अंदर कई स्थानों पर तीन घंटे से अधिक समय तक चला, जिसमें गार्ड का कमरा भी शामिल था। जांच वर्तमान में कोलकाता पुलिस के जासूसी विभाग की ओर से की जा रही है।

मेडिकल जांच के साथ-साथ हालात के हिसाब से सबूतों ने प्रथम वर्ष की छात्रा के सामूहिक दुष्कर्म के आरोप की पुष्टि की है।

जिम में कसरत के दौरान हार्ट अटैक से मौत, पंकज ने पी थी ब्लैक कॉफी

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर-9 स्थित एक जिम में कसरत करने के दौरान पंकज (37) बेहोश हो गए। निजी अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को जिम में बुलाया गया। टीम ने जांच करने के बाद बताया कि युवक की मौत हो चुकी है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। वहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेक्टर-3 स्थित राजा नाहर सिंह कॉलोनी में रहने वाले पंकज पिछले 5 महीने से सेक्टर-9 स्थित श्रोता वैलनेस जिम में अपने दोस्त रोहित के साथ जाते थे। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे भी वह अपने दोस्त रोहित के साथ जिम गए थे।

दोस्त रोहित ने बताया कि जिम करने से पहले उनके दोस्त पंकज ने एक ब्लैक कॉफी पी थी। ब्लैक कॉफी पीने के बाद मात्र 2 मिनट ही एक्सरसाइज की थी। तभी वह बेहोश हो गए। बेहोश होते ही उनके ऊपर पानी छिड़का गया, लेकिन होश में नहीं आए।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शनिवार 05 जुलाई -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

कांवड़ यात्रा के लिए जिला प्रशासन ने की 4 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, 12 जोनल मजिस्ट्रेट व 108 सैक्ट्रेट मजिस्ट्रेट की तैनाती

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में कांवड़ यात्रा के सकुशल व सफल संचालन हेतु जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में सुपर जोनल मजिस्ट्रेटों, जोनल मजिस्ट्रेटों, सैक्टर मजिस्ट्रेटों सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान बताया गया कि जनपद गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा के सकुशल व सफल संचालन हेतु 4 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, 12 जोनल मजिस्ट्रेट व 108 सैक्ट्रेट मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी हैं। सभी मजिस्ट्रेटों की शिफ्ट वाईज ड्यूटी लगाई जायेगी।

बैठक में मुख्य रूप से मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, एसडीएम सदर अरूण दीक्षित, एसडीएम लोनी राजेन्द्र कुमार, एसडीएम मोदीनगर अजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु आवश्यक कार्य एवं जागरूकता फैलाई जाए : दीपक मीणा

करंट क्राइम।
जिलाधिकारी दीपक मीणा ने निर्देशित किया कि समयान्तराल में डयूटी आदेश में वर्णित रूट का भ्रमण कर करते हुए जांच करें कि रूट पर सड़क मरम्मत योग्य है अथवा नहीं? रूट पर जल जमाव की स्थिति है अथवा नहीं? रूट पर पथ प्रकाश है अथवा नहीं? रूट पर कूडा-कचरा फैलने की स्थिति है अथवा नहीं? रूट पर सड़क के किनारे झाड, फूंस, गूलर, भांग आदि के पौधे हैं अथवा नहीं? रूट पर मीट/मांस आदि की दुकान संचालित हो रही है अथवा नहीं? रूट पर पड़ने वाले अस्थाई कांवड़ शिविरों में समुचित व्यवस्थाएं हैं अथवा नहीं? रूट पर पडने वाले अस्थाई कांवड शिविरों में अग्निशमन यंत्र लगे हैं अथवा नहीं? रूट पर लगे पोलों को इंसुलेटिड शीट से कवर किया गया है अथवा नहीं? सहित अन्य सुविधा एवं सुरक्षा के विशेष बिन्दु पर ध्यान दिया जाए। साथ ही कांवड़ यात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु आवश्यक कार्य एवं जागरूकता फैलाई जाए।

कांवड़ यात्रियों की सेवा, सुविधा और सुरक्षा व्यवस्थाओं की सूक्ष्मता के साथ जांच करें मजिस्ट्रेट : जिलाधिकारी दीपक मीणा

करंट क्राइम। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि प्रत्येक मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए सेवा, सुविधा और सुरक्षा व्यवस्थाओं की सूक्ष्मता के साथ जांच करें। कांवड़ यात्रा के दौरान हर मजिस्ट्रेट पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, नगर निकाय आदि के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। यह भी ध्यान रखा जाएं कि हर सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, सैक्टर मजिस्ट्रेट को अपने-अपने क्षेत्र की पूर्ण जानकारी हो, कि कांवड़ यात्रा से सम्बंधित किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सम्बंधित को अवगत कराते हुए असुविधा का निस्तारण किया जाएं।

कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं सफल सम्पन्न कराना हम सभी का एक मात्र लक्ष्य : जिलाधिकारी

करंट क्राइम। प्रत्येक मजिस्ट्रेट निर्धारित समय पर अपनी तैनाती पर उपस्थित रहे। ड्यूटी के दौरान अपने क्षेत्र में ही सजग व सर्तक रहें। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं सफल सम्पन्न कराना हम सभी का एक मात्र लक्ष्य है। इसलिए दी गयी जिम्मेदारियों को पूर्ण ईमानदारी व कत्तर्व्यनिष्ठा के साथ पालन करें।

पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने कहा- बंद करे निगम टैक्स वसूली के मैसेज भेजना

उन्होंने कहा- ये है महापौर और पूरे बोर्ड की अवहेलना

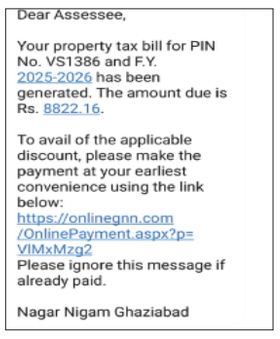

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम की विशेष बैठक भी हो गई और प्रस्ताव निरस्त भी हो गया, लेकिन उसके बाद भी लगातार निगम द्वारा लोगों को बढ़ा हाउस टैक्स जमा कराने के मैसेज जा रहे हैं, लोग इस बात को लेकर सवाल उठा रहे हैं। नगर निगम के पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने अब इस बात का मुद्दा उठाया है। उन्होंने अपनी बात कहते समय निगम द्वारा भेजे गए संदेश का स्क्रीन शॉट भी लगाया है। पूर्व पार्षद मनोज गोयल का कहना है कि जब निगम की बोर्ड बैठक में महापौर ने ये कहा था कि दो महीने तक कोई टैक्स नहीं जमा करना है, उसके बाद नए बिल आएंगे और तब नया टैक्स लिया जाएगा। पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने कहा- लेकिन इसके बाद भी नगर निगम द्वारा लगातार मैसेज भेजे जा रहे हैं और पैसे जमा करने के लिये कहा जा रहा है। पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने उस स्क्रीन शॉट का हवाला दिया, जिसमें 2025-2026 का बिल दिया गया है। छूट का लाभ लेने के लिये किया गया है। पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने ये स्क्रीन शॉट लगाया है और अब ये सवाल किया है कि अगर सदन की बैठक में मेयर ने दो महीने वाली बात कही, टैक्स नहीं जमा करने की बात कही तो फिर निगम लोगों को क्यों मैसेज भेज रहा है। पूर्व पार्षद ने निगम की इस प्रक्रिया को मेयर और पूरे बोर्ड की अवहेलना बताया है।

निगम पार्षदों को है बोर्ड बैठक में लिए गये फैसले पर डाउट

वो चाहते हैं, दस दिन के अंदर पार्षदों के लिए बैठक के मिनट्स की कॉपी हो आउट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम ने हाउस बढ़ाया और इसके बाद ये मुद्दा गर्मा गया। फैसले के विरोध में भाजपा के पार्षद आ गये और विशेष बोर्ड बैठक की मांग की। मेयर ने 30 जून को इस मुद्दे पर विशेष बोर्ड बैठक बुला ली। भाजपा के पार्षदों ने नगर निगम के पदेन सदस्यों, सांसद, विधायक, एमएलसी से अनुरोध किया कि वो इस विशेष बैठक में आए और इस मुद्दे पर उनका साथ दें।

बैठक में ये तय हो गया कि बढ़ी हुई टैक्स दर निरस्त की जाएंगी और इसका प्रस्ताव पारित हुआ। लेकिन पार्षदों को झटका तब लगा जब बैठक में प्रस्ताव निरस्त होने के बाद भी लोगों के घर टैक्स वसूली के मैसेज पहुंचे और उसमें कोई धनराशि नहीं घटाई गई। इस मुददे पर मोर्चा खोलने वाले पूर्व पार्षदों ने पहले ही निरस्त प्रस्ताव पर डाउट प्रकट किया था और बैठक के मिनट्स मांगे थे, लेकिन अब मौजूदा पार्षदों को भी इस फैसले पर डाउट है और उन्होंने ये मांग की है कि बोर्ड बैठक के मिनट्स की कॉपी उन्हें उपलब्ध कराई जाए।

शुक्रवार को बोर्ड बैठक की मिनट्स की कॉपी लेने के लिये भाजपा के पार्षदों ने बोर्ड बैठक सचिव को पत्र सौंपा। सदन सचिव को लिखे पत्र में कहा गया है कि 30 जून को मेयर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आहूत की गई थी। इस बोर्ड बैठक का विषय संपत्ति कर था। बैठक में सभी पार्षदों ने बढ़े हुए संपत्ति कर का विरोध किया था। महापौर सुनीता दयाल द्वारा बढ़े हुए संपत्ति कर को निरस्त कर दिया गया था, लेकिन नगर निगम के अधिकारियों द्वारा समाचार पत्रों में दिये गये बयानों को लेकर पार्षदों में संशय बन गया है। जिसको दूर करने के लिये एक दर्जन पार्षद नगर निगम मुख्यायल पहुंचे। यहां उन्होंने सदन बोर्ड बैठक सचिव को पत्र सौंपते हुए ये मांग की कि 30 जून को हुई बैठक के मिनट्स की फोटो कॉपी पार्षदों को दस दिन के अंदर उपलब्ध कराई जाए। दरअसल पार्षदों को ये डाउट है कि बोर्ड बैठक के प्रस्ताव को लेकर

नदिया के उस पार से खुला है मिनट्स वाला मोर्चा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को लेकर नदिया के पार वाले पार्षदों ने सबसे पहले आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया था। नदिया पार के ही एक पार्षद ने कहा था कि लोगों को टैक्स जमा कर देना चाहिए। नदिया पार के ही एक पार्षद ने 30 जून को हुई बोर्ड बैठक से भी पहले वाली बोर्ड बैठक में टैक्स बढ़ोत्तरी का खुलकर विरोध किया था। गुरुवार को नदिया पार के पार्षद ही अपने पार्षद व्हॉटसएप ग्रुप पर एकजुट हुए। ये तय हुआ कि शुक्रवार को नगर निगम पहुंचकर पूरा मामला रखा जाएगा और दस दिन के अंदर बैठक के मिनट्स उपलब्ध कराने की मांग करते हुए पत्र सौंपा गया। इस दल में सबसे आगे नदिया पार के पार्षदों में पार्षद गौरव सोलंकी, पार्षद कुसुम गोयल, पूर्व पार्षद मनोज गोयल, पार्षद हिमांशु शर्मा, पार्षद अनिल तोमर, पार्षद संतोष राणा रहे और इधर से भी पार्षद देवनारायण शर्मा, ओमप्रकाश ओढ तथा पार्षद कन्हैया लाल मौजूद रहे।

नगर निगम जोनल अधिकारी के सामने बैठकर भाजपा पार्षदों ने किया अपना दर्द साझा

एक पार्षद बोला- डालूंगा 100 वार्डों पर RTI तो दूसरा पार्षद बोला पानी में बैठकर दूंगा धरना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इन दिनों सबसे बड़ा कमाल नगर निगम में चल रहा है। केंद्र में उनकी सरकार है, प्रदेश में उनकी सरकार है और नगर निगम के 100 वार्डों में 75 वार्डों पर कमल दल है। मगर, उसके बाद भी कमल वालों का ही यही दर्द है कि उनके वार्ड में विकास नहीं हो रहा है। जिस नगर निगम में मेयर से लेकर दिल्ली के बोर्डर तक बसे मोहल्ले में भाजपा है उस नगर निगम में सबसे ज्यादा असंतोष ही भाजपा खेमे में हैं। नगर निगम के किस्से गूंज रहे हैं। हाउस टैक्स बढ़ा तो विरोध में भाजपा के पार्षद हैं। नाले की सफाई पर सवाल उठाते पूर्व पार्षद हैं और कब्र के बाहर सवाल उठाती मेयर सड़क पर हैं।

नगर निगम के जोनल दफ्तर में जब भाजपा के तीन पार्षद पहुंचे तो सीन देखने लायक था। जोनल अधिकारी के सामने बैठकर पार्षदों ने अपना दर्द साझा किया। विकास को लेकर एक भाजपा पार्षद ने कहा कि मैं पूरे सौ नगर निगम के वार्डों को लेकर आरटीआई डालूंगा। दूसरे पार्षद ने कहा कि मेरे वार्ड में अगर जलभराव हुआ तो मैं उस जल के बीच बैठक ही धरना दूंगा। तीसरे पार्षद के चेहरे पर स्माइल थी और वो कुछ नहीं बोले। मामला नदिया पार के वसुंधरा जोर का है। जोन में जोनल अधिकारी के पास वार्ड-100 के पार्षद संजय सिंह पहुंचे। यहां बृजविहार क्षेत्र के पार्षद विनय चौधरी भी थे और वार्ड-54 के पार्षद सतेंद्र चौधरी भी बैठे थे।

चर्चा चल रही थी और यहां विकास का मुद्दा साइड में हो गया और अपने-अपने क्षेत्र को लेकर पार्षदों का दर्द बाहर आ गया। वार्ड-100 के पार्षद संजय सिंह ने कहा कि मैं तो नगर निगम के पूरे 100 वार्डों को लेकर एक आरटीआई डालूंगा। पता तो चले कि विकास की बहार सभी वार्डों में समान बह रही है या फिर वार्डों के विकास को लेकर भेदभाव हो रहा है। इसी बीच दूसरे पार्षद ने अपने वार्ड में जल भराव का मुद्दा उठाया। ये पार्षद बृजविहार क्षेत्र के पार्षद विनय चौधरी थे। उन्होंने कहा कि जल भराव का असर हमारे वोट पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब मेरे वार्ड में जल भरता है तो इससे वोट कम हो जाते हैं।

भाजपा के ही पार्षद ने ये बात रखी कि अगर इस बार मेरे वार्ड में पानी भरा तो मैं पानी के बीच बैठकर ही धरना दूंगा और निगम अधिकारियों को मौके पर ही बुलाउंगा। दो पार्षद जब अपनी बात कह रहे थे तो यहां दो लोग यहां शांत भाव से इसे सुन रहे थे। निगम के जोनल अधिकारी शांत थे और वसुंधरा क्षेत्र के पार्षद सतेंद्र चौधरी के भी चेहरे पर स्माइल थी। निगम अधिकारी के हाथ में फाइल थी, पार्षद के चेहरे पर स्माइल थी। ऐसा लग रहा था कि जैसे निगम अधिकारी इस प्रकार की शिकायतों को सुनने के अभ्यस्त हो चुके हैं और शांत पार्षद के चेहरे से ये पता चल रहा था कि उनके वार्ड में विकास भी हो रहा है और उन्हें कोई टेंशन नहीं है।

सख्त जनसंख्या कानून की मांग को लेकर 11 जुलाई को 400 शहरों के जिला मुख्यालयों पर होगा प्रदर्शन

गाजियाबाद करंट क्राइम। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की ओर से सख्त जनसंख्या कानून की मांग को लेकर 11 जुलाई को देश भर के लगभग 400 जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह जानकारी जनसंख्या फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी ने दी।

उन्होंने कहा कि विश्व के मात्र 2.4 प्रतिशत भूभाग पर विश्व की कुल 820 करोड की जनसंख्या के 17.8 प्रतिशत यानि 140 करोड की आबादी का भार वहन कर रहे भारत में जनसंख्या विस्फोट से उत्पन्न संसाधन, सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय संकट और जनसंख्या असंतुलन का खतरा बढ रहा है। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानून की सख्त आवश्यकता है। इस कानून की मांग को लेकर 11 जुलाई को उत्तर प्रदेश के सभी 80 जिलों समेत देशभर के 400 जिलों के मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के 120 सांसदों ने सख्त जनसंख्या कानून के समर्थन में पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पत्र राष्ट्रपति को सौंपा गया है। यही समय है देश में एक सख्त जनसंख्या कानून लागू किया जाए ताकि अनियंत्रित हो रही जनसंख्या को कंट्रोल किया जा सके।

नगर निगम से गुस्साए पूर्व पार्षद ने नाले की वीडियो बनाई

निगम जोनल दफ्तर के सामने खड़े होकर पूर्व पार्षद ने अपनी बात बताई

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद की बात करें तो यहां केवल क्रांतिकारी विधानसभा नहीं है यहां क्रांतिकारी वार्ड भी हैं। ये वार्ड जाकिर सैफी का है। जाकिर सैफी अब पूर्व पार्षद हैं। उनके परिवार की एक महिला मौजूदा समय में पार्षद हैं। जाकिर सैफी क्रांतिकारी तेवरों के साथ समय-समय पर निगम से जुड़े मामले उठाते हैं। बताया जाता है कि इन दिनों वो नगर निगम से कुछ ज्यादा ही नाराज चल रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को एक नाले का लाइव वीडियो बनाया। खास बात ये थी कि जिस नाले का उन्होंने वीडियो बनाया है वो नाला मुख्य शहर के नगर निगम जोनल दफ्तर के बाहर है। पूर्व पार्षद जाकिर सैफी यहां पूरी बात तफ्शील से बताने के लिये अपने साथ एक बांस भी लेकर पहुंचे थे। जाकिर सैफी कई दिनों से धरने की परमीशन मांग रहे हैं। जो उन्हें मिल नहीं रही है।

जाकिर सैफी इन दिनों क्रांतिकारी अंदाज में हैं और वो नगर निगम पर वो आक्रामक तेवरों के साथ मामले उठा रहे हैं। कई शिकायतें वो कर चुके हैं। उनकी मुहिम फिलहाल जारी है और शुक्रवार को जाकिर सैफी का एक वीडियो आया, जिसमें वो टाउन हॉल के बाहर बहने वाले नाले के सामने खड़े हैं। उनके हाथ में एक बांस है और वो यहां निगम द्वारा कराई जा रही नालों की तली झाड़ सफाई का सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर सफाई हुई है तो फिर क्यों ये नाला लबालब भरा हुआ है। उन्होंने बाकायदा नाले में बांस डाला और बताया कि ये पांच फुट गहराई है। जाकिर सैफी ने अपने वीडियो में नाले-नालियों की सफाई में रुकावट की वजह अतिक्रमण वाले बयान को भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि निगम अधिकारियों द्वारा इस तरह की बात कहना गैर जिम्मेदाराना रवैया है। अगर निगम के अधिकारी सफाई का दावा कर रहे हैं तो फिर नालों में गंदगी क्यों है। अगर अतिक्रमण है भी तो इसे हटाना किसकी जिम्मेदारी है।

मामला आया है संज्ञान में, करा देंगे सफाई: मिथिलेश कुमार

करंट क्राइम। इस मामले में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा अभियान चलाकर पूरे क्षेत्र में नालों की सफाई कराई जा रही है। लगातार काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व पार्षद द्वारा जिस नाले का मामला उठाया गया है, यह मामला उनके संज्ञान में आया है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि जल्द ही इस नाले की भी सफाई कराई जाएगी और जो भी कमी है उसे दूर किया जाएगा।

संपादकीय

अनुसंधान से विकास तक

केंद्र सरकार द्वारा गत सप्ताह मंजूर शोध विकास एवं नवाचार (आरडीआई) योजना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि नीति निमार्ताओं को नवाचार को बढ़ाने के तरीके तलाशने होंगे और फंडिंग के जरिये इनकी मदद करनी होगी। बहरहाल, आरडीआई सही दिशा में उठाया गया कदम है। हालांकि, इसके बावजूद काफी कुछ करने की जरूरत होगी क्योंकि योजना को जिस तरह डिजाइन किया गया है, संभव है कि वह देश के शोध एवं विकास क्षेत्र से जुड़ी कुछ अहम चिंताओं को दूर न कर पाए। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 1 फीसदी से भी कम हिस्सा शोध एवं विकास पर खर्च करता है, जबकि चीन और दक्षिण कोरिया जीडीपी का 2.5 फीसदी इस पर खर्च करते हैं। ऐसे में भारत में जहां बड़ी तादाद में टेक स्नातक हैं, वहीं उनमें से कई विदेश चले जाते हैं या फिर ऐसी भूमिकाओं में रोजगार हासिल करते हैं जहां उनके कौशल का कोई खास उपयोग नहीं होता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत 39वें स्थान पर है जो उसकी क्षमताओं से काफी नीचे है।

योजना में शोध एवं विकास के क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए दो-स्तरीय व्यवस्था के माध्यम से शोध एवं विकास के लिए कम ब्याज दरों पर दीर्घकालिक वित्तीय मदद की बात की गई है। पहले स्तर पर अनुसंधान नैशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) 1 लाख करोड़ रुपये के कोष को संभालेगा। इसे एक विशेष उद्देश्य वाले फंड के जरिये जुटाया जाएगा और इसकी राशि शून्य या बहुत कम ब्याज पर दूसरे स्तर के फंड प्रबंधकों को स्थानांतरित की जाएगी। दूसरे स्तर से इस राशि को निजी क्षेत्र की रुचिकर परियोजनाओं में बांटा जाएगा। इसके पीछे विचार यह है कि उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों को वृद्धि और जोखिम पूंजी मुहैया कराई जा सके ताकि वे नवाचार को बढ़ावा दें। योजना का लक्ष्य निजी क्षेत्रों को उभरते क्षेत्रों में शोध एवं विकास बढ़ाने के लिए प्रेरित करना तथा अहम तकनीक का अधिग्रहण करने के योग्य बनाना भी है। तुलनात्मक रूप से देखें तो यह अपने आप में उपयोगी है। हालांकि तुलना जरूर की जाएगी। उदाहरण के लिए दो सरकारी संस्थान जिनके द्वारा शोध को फंडिंग मशहूर है वे हैं- अमेरिकी डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी अथवा डीएआरपीए और दूसरा जापान का पूर्व अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय (एमआईटीआई)। एमआईटीआई ने लगभग पांच दशक तक वैसी भूमिका निभाई जो शोध एवं विकास के लिए सोची गई थी। उसने ऐसी परियोजनाओं को फंड किया जिन्होंने जापान के निजी क्षेत्र को मजबूत तकनीकी-औद्योगिक आधार बनाने में मदद की। परंतु जापान के पास पहले ही ऐसी शिक्षा व्यवस्था थी जहां शोध संस्थान फल-फूल रहे थे और विश्वविद्यालयों में विभिन्न विषयों में शोध हो रहा था। एमआईटीआई ने उस ज्ञान और उन कौशलों का इस्तेमाल औद्योगिक कामों में किया। डीएआरपीए ने अमेरिका के तमाम विश्वविद्यालयों और शोध प्रयोगशालाओं को फंड किया।

आखिरी कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 193 अंक चढ़ा, निफ्टी 25400 के पार

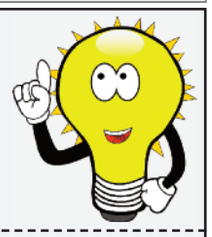

नई दिल्ली। कारोबार में उतार-चढ़ाव के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 462.03 अंक का उतार-चढ़ाव देखा और 83,477.86 अंक के उच्च और 83,015.83 अंक के निम्न स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 55.70 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 25,461 अंक पर पहुंच गया।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और लार्सन एंड टूब्रो प्रमुख लाभ में रहे। हालांकि, ट्रेंट, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और मारुति पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजार में गिरावट दिखी

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। घरेलू निवेशक बाजार को समर्थन दे रहे हैं जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हालिया तेजी के बाद, मुख्य सूचकांक उच्चतम मूल्यांकन स्तर के आसपास मँडरा रहे हैं। इससे आगे की तेजी सीमित हो रही है, जो कि पहली तिमाही की आय और व्यापार सौदे के विवरण पर निर्भर है।

व्यापार वार्ता के बाद भारतीय दल अमेरिका से लौटा

नई दिल्ली। मुख्य वातार्कार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय दल अंतरिम व्यापार समझौते पर एक और दौर की वार्ता पूरी करने के बाद वाशिंगटन से लौट आया है। हालांकि, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार पर चर्चा आगे भी जारी रहेगी क्योंकि कृषि और ऑटो क्षेत्रों से जुड़े कुछ मुद्दों को अब भी हल करने की जरूरत है। अधिकारी ने बताया कि वार्ता अंतिम चरण में है और इसके निष्कर्ष की घोषणा 9 जुलाई से पहले होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा, भारतीय टीम वाशिंगटन से वापस आ गई है। बातचीत जारी रहेगी। कृषि और ऑटो क्षेत्र में कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हल करने की जरूरत है। भारतीय टीम 26 जून से 2 जुलाई तक अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए वाशिंगटन में थी। ये वार्ता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ का निलंबन 9 जुलाई को समाप्त हो रहा है। दोनों पक्ष उससे पहले वार्ता को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। भारत ने अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों को शुल्क रियायत देने पर अपना रुख कड़ा कर लिया है क्योंकि ये राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र हैं। 2 अप्रैल को अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त पारस्परिक शुल्क लगाया, लेकिन इसे 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया।

अब बिना शुल्क समय पूर्व चुका सकते हैं फ्लोटिंग दर वाले कर्ज

गैर-कारोबारी लोन पर 2026 से लागू होगा नियम

नई दिल्ली। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके।

अब प्रीपेमेंट के नाम पर भारी जुमार्ना भरने से राहत मिलने वाली है। आरबीआई ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कहा है कि वे छोटे उद्यमों एवं व्यक्तिगत लोगों को दिए कर्ज पर समय से पूर्व भुगतान करने पर कोई शुल्क नहीं लगाएंगे। यह नियम एक जनवरी, 2026 के बाद लिए या नवीनीकरण कराए गए कर्जों पर लागू होगा। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके।

इन संस्थानों पर लागू होगा नया नियम

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए व्यक्तियों के फ्लोटिंग दर पर लिए गए कर्ज पर कोई प्री पेमेंट शुल्क नहीं लगेगा। नया नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों (पेमेंट्स बैंकों को छोड़कर), सहकारी बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों पर लागू होगा।

रोचक तथ्यों का करंट

- अजवाइन को खाने में कितनी कैलोरी लगती है जितनी की अजवाइन से आपको कैलोरी नहीं मिलती।
- तोते इंसानो की तरह अपने बच्चों को एक नाम देते है। और उम्र भर उनका वही नाम रहता है।
- इंसान के दिमाग का विकास 40 साल की उम्र तक तक होता है।
- अगर कोई आपको अपनी सपने के बारे में बताएं तो यह जरूर पूछना कि उसका सपना कहां से शुरू हुआ, क्योंकि सपना कहां से शुरू हुआ यह बताना पॉसिबल नहीं।
- दुनिया का 70% उपयोग किए जाने वाले मसाले भारत में ही तैयार होते हैं।
- एक गधा रेत के दलदल में डूब सकता है परंतु एक खच्चर नहीं रुक सकता है।
- इंसानो की तरह तोते भी मोटापे की बीमारी का शिकार होते हैं।
- जब बच्चा पैदा होता है तो उस समय माँ को होने वाला दर्द एक साथ 20 हड्डियां टूटने के बराबर होता है।
- कोई भी व्यक्ति अपनी सांस रोककर अपने आप को नहीं मार सकता।

राशिफल

मेष: शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा। सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। किसी रुके हुए धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष: मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन: व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। मानसिक शान्ति रहेगी।

कर्क: कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। कारोबारी यात्रा लाभप्रद रहेगी।

सिंह: मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

कन्या: आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

तुला: मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक: क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे।

धनु: नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मकर: नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कारोबार में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखें।

मीन: क्रोध के अतिरेक से बचें। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा।

चुटकुले

बाप ने बेटे की तलाशी ली और कोट से सिगरेट और लड़कियों के नंबर निकले।
बाप ने बहुत मारा और पूछा कब से चल रहा है यह सब?
बेटा- पापा यह कोट तो आपका है।

पत्नी ने मायके से पति को फोन करके कहा- आपके बिना जी नहीं लगता।
पति- अरे पगली ZEE नहीं लगता तो स्टार और सोनी लगाकर देख लो वो भी अच्छे चैनल हैं!

पत्नी- बहुत मोटे हो गए हो तुम।
पति- तुम भी तो कितनी मोटी हो गई हो।
पत्नी- पर मैं तो मां बनने वाली हूं।
पति- तो मैं भी तो बाप बनने वाला हूं!

प्रेमी- कल मिलने क्यों नहीं आई?
प्रेमिका- क्योंकि कल हमारे घर ब्यूटीफुल ट्रैजिडी थी।
प्रेमी- ब्यूटीफुल ट्रैजिडी का मतलब?
प्रेमिका- सुंदरकांड
प्रेमी ने पकड़ लिया सिर!

05 07 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

पीवी सिंधु
बैडमिंटन खिलाड़ी

सना सैफी | सिकंदर सैफी | मनीषा शर्मा | ज्ञानेंद्र सिंघल

बृजेश भट्ट | धर्म गर्ग | राजेन्द्र कुमार | नईम खान | डीपी आर्य | तेजपाल सिंह

अरुण हूण | अरुण कुमार | चंदन सिंह | दीपक शर्मा | सूफियान नंबरदार | आदेश कुमार

अशोक भाटी | आरिफ शेख | जयप्रकाश सिंह | महेश चन्द्र | मनोज कुमार | नकुल त्यागी

नरेन्द्र हुड्डा | राजीव चौधरी | रघुवेन्द्र प्रताप सिंह | पंकज शिशोदिया | सुनील भारती | विजय कुमार गुप्ता

गजेन्द्र यादव | अकरम शैफी | ब्रजपाल सिंह | ललित त्यागी | अरविंद कुमार | सुनील चाचा हिन्दू

अजय श्याम | अनिल श्रीवास्तव | अंकुर अनिल मलिक | हरीश मोहम्मद | राहुल चौहान | रविंद्र धामी

गौरव गोयल | अनिल श्रीवास्तव | योगेश दत्त गौर

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

शुभमन गिल की कप्तानी पारी ने दिग्गजों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच दूसरे दिन पहली पारी में 269 रन बनाकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। इस सीरीज में गिल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और वह तीन पारियों में 424 रन बना चुके हैं। गिल ने लीड्स टेस्ट में 147 रन की पारी खेली थी और अब एजबेस्टन में दोहरा शतक लगाया। गिल ने 387 गेंदों की अपनी पारी में 30 चौके और तीन छक्के लगाए।

भारत से पीछे चल रहा है इंग्लैंड

गिल की शानदार पारी के दम पर भारत पहली पारी में 587 रन बनाने में सफल रहा। गिल के अलावा रवींद्र जडेजा और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अर्धशतक लगाए। गिल और जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी की और छठे विकेट के लिए 203 रन जोड़े। इसके बाद गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ पारी आगे बढ़ाई और अपने करियर का पहला दोहरा शतक लगाया। दूसरे दिन के खेल की समाप्ति तक इंग्लैंड ने पहली पारी में तीन विकेट पर 77 रन बनाए हैं और वह अभी भारत से 510 रन पीछे चल रहा है। गिल ने अपनी ऐतिहासिक पारी से कई रिकॉर्ड बनाए और दिग्गजों के क्लब में शामिल हुए।

गिल विराट कोहली के बाद टेस्ट की एक पारी में 250 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बन गए हैं। इतना ही वह टेस्ट में भारत के लिए एक पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान भी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में कोहली को पीछे छोड़ा जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पुणे में नाबाद 254 रन बनाए थे।

गिल पहले भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाया है। वह 311 गेंद पर ऐसा करने में सफल रहे। वहीं, गिल विदेश में 250 टेस्ट रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। गिल टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले भारत के दूसरे युवा कप्तान हैं। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। गिल ने 25 साल 298 दिन की उम्र में यह कारनामा किया है। भारत के लिए टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा कप्तान का रिकॉर्ड एम पटौदी के नाम है जिन्होंने 1964 में दिल्ली में खेले गए मैच में इंग्लैंड के ही खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी। पटौदी ने 23 साल 39 दिन की उम्र में कप्तान के तौर पर टेस्ट में दोहरा लगाया था।

इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर कम उम्र में दोहरा शतक लगाने के मामले में सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ ही गिल से आगे हैं। स्मिथ ने 2003 में 22 साल 175 दिन की उम्र में ऐसा किया था। गिल पहले एशियाई कप्तान हैं जिन्होंने सेना देश (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में दोहरा शतक लगाया है।

गिल टेस्ट में 250 रन बनाने वाले दूसरे युवा बल्लेबाज भी बन गए हैं। गिल ने 25 साल 298 दिन की उम्र में ऐसा किया। टेस्ट में 250 रन बनाने वाले सबसे युवा कप्तान का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ के नाम है जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2003 में बर्मिंघम में ही ऐसा किया था।

गिल विदेश में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे भारती बल्लेबाज बन गए हैं। विदेश में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम है जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 2004 में 309 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर राहुल द्रविड़ का नाम है जिन्होंने 2004 में पाकिस्तान के खिलाफ 270 रन बनाए थे। तीसरे स्थान पर गिल का नाम शामिल हो गया है। गिल इंग्लैंड में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया है। गावस्कर ने 1979 में द ओवल में खेले गए मैच में 221 रन बनाए थे। गिल 222 रन बनाते ही उन्हें पीछे छोड़ने में सफल रहे थे।

सेना देशों में सर्वाधिक रन बनाने वाले एशियाई कप्तान बने हैं गिल। उनसे पहले इन देशों में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान के नाम था।

जिन्होंने 2011 में लॉर्ड्स में 193 रन बनाए थे। ओवरऑल वह एशिया के तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने सेना देशों में सर्वोच्च स्कोर बनाया है। उनसे आगे जहीर अब्बास (274 बनाम इंग्लैंड) और जावेद मियांदाद (271 बनाम न्यूजीलैंड) हैं। गिल एजबेस्टन में सर्वोच्च स्कोर करने वाले पांचवें बल्लेबाज हैं। इस सूची में एलिस्टियर कुक (294), पीटर मे (नाबाद 285), ग्रीम स्मिथ (277) और जहीर अब्बास (274) भी शामिल हैं। भारत ने इंग्लैंड में अपना चौथा सर्वोच्च टेस्ट स्कोर बनाया है।

भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, मनोलो मार्केज ने हाल ही में दिया था इस्तीफा

मारकेज ने एआईएफएफ के साथ आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। वह पिछले साल ही टीम से जुड़े थे।

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने खराब फॉर्म से जूझ रही पुरूष टीम के नये मुख्य कोच की तलाश शुरू कर दी है और आवेदन करने की आखिरी तारीख 13 जुलाई है। स्पेन के मानोलो मारकेज के जाने के बाद नये कोच की तलाश शुरू की गई। मारकेज ने एआईएफएफ के साथ आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। वह पिछले साल ही टीम से जुड़े थे।

एआईएफएफ ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'सीनियर पुरूष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच एआईएफएफ महासचिव को रिपोर्ट करेगा और सभी मैचों और टूर्नामेंटों में टीम के प्रदर्शन के लिये जवाबदेह होगा। मुख्य कोच राष्ट्रीय टीम विभाग, राष्ट्रीय टीम निदेशक और तकनीकी निदेशक के साथ मिलकर काम करेगा।'

इसके लिये युवा और सीनियर स्तर पर दस से 15 साल कोचिंग का अनुभव जरूरी है। लचीले, कुशल और संसाधन संपन्न होने की सामान्य आवश्यकताओं के अलावा एआईएफएफ यह भी चाहता है कि अगले कोच को संबंधों के प्रबंधन में अच्छा अनुभव हो, जरूरतों को समझने, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और मीडिया और प्रायोजकों सहित एआईएफएफ भागीदारों के साथ काम करने का अनुभव हो।

सीमित ओवर की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा नहीं करेगी भारतीय टीम? रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली। भारत को इस साल सीमित ओवरों की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करना है, लेकिन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मतभेदों को चलते इस पर संकट के बादल छा गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को इस दौरे पर नहीं जाने की सलाह दी है। अगर ऐसा हुआ तो भारतीय टीम का बांग्लादेश दौरा स्थगित हो सकता है।

बीसीसीआई ने नहीं दी है आधिकारिक जानकारी

भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार संबंधी तनाव भी चल रहा है। 17 मई को भारत सरकार ने बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स सहित अन्य वस्तुओं के आयात पर प्रमुख मार्ग प्रतिबंधों की घोषणा की थी। बांग्लादेश दौरे को लेकर एक सूत्र ने कहा, 'बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति स्थिर नहीं है और कूटनीतिक गतिरोध के मद्देनजर भारत सरकार ने बीसीसीआई को इस दौरे पर आगे न बढ़ने की सलाह दी है।' हालांकि, दौरे को लेकर बीसीसीआई की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इंग्लैंड दौरे पर है भारतीय टीम

भारतीय टीम फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर है जहां वह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। भारत का इंग्लैंड दौरा चार अगस्त तक चलेगा। भारत और बांग्लादेश के बीच वनडे और टी20 मैचों की सीरीज 17 अगस्त से शुरू होनी है। तय कार्यक्रम के अनुसार, भारत पहले तीन वनडे मैच खेलेगा और फिर दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। बांग्लादेश दौरे के बाद भारत को अक्तूबर में वेस्टइंडीज की मेजबानी करनी है। अगर भारत का बांग्लादेश दौरा स्थगित होता है तो इससे रोहित शर्मा और विराट कोहली के प्रशंसकों को झटका लग सकता है। दरअसल, रोहित और कोहली अब भारत के लिए वनडे में ही खेलेंगे क्योंकि इन दोनों ने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया है। इनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह रोहित-कोहली की जोड़ी को बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते देखेंगे, लेकिन अगर भारत इस दौरे पर नहीं गई तो रोहित-कोहली के मैदान पर दिखने का इंतजार बढ़ जाएगा।

सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित है बीसीसीआई

बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, 'जाहिर है बीसीसीआई बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित है।' समझा जाता है कि बीसीसीआई चाहता है कि यह दौरा तभी हो जब बांग्लादेश में आम चुनाव हो जाएं और स्थिर सरकार कानून व्यवस्था की स्थिति का ध्यान रखे। बांग्लादेश में चुनाव जल्द ही होने की उम्मीद नहीं है। बांग्लादेश में फिलहाल अंतरिम सरकार है जिसके प्रमुख मोहम्मद युनूस हैं।

'अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा...', गुकेश से मिली हार के बाद निराश हुए मैग्नस कार्लसन

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश से मिली हार के बाद निराश हो गए हैं। विश्व चैंपियन गुकेश ने कार्लसन को सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड वर्ग में हराया। इससे पहले नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उन्होंने क्लासिकल प्रारूप में मात दी थी। कार्लसन का कहना है कि अब उन्हें शतरंज खेलने में मजा नहीं रहा है।

गुकेश ने कार्लसन को काले मोहरों के साथ छठे राउंड में हरा दिया थायह गुकेश की कार्लसन पर लगातार दूसरी जीत है। वह 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। गुकेश की यह टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है और अब उनके 12 में से 10 अंक हो गए हैं। रैपिड वर्ग में तीन दौर बाकी है और गुकेश को पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ पर दो अंक की बढ़त है।

कार्लसन ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है। जब मैं खेल रहा हूं तो कोई प्रवाह नहीं लग रहा। मेरा खेल लगातार खराब हो रहा है। गुकेश शानदार खेल रहा है। अभी टूर्नामेंट काफी लंबा है लेकिन लगातार पांच मैच जीतना कोई छोटी बात नहीं है।

डैरेन सैमी ने छाती चौड़ी कर कंगारुओं को ललकारा

ग्रेनेडा। वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट सीरीज के लिए गई ऑस्ट्रेलियाई टीम की हालत खराब है। वेस्टइंडीज ने लगातार तीन पारियों में ऑस्ट्रेलिया को ऑल आउट किया है। इन तीन पारियों में से दो में ऑस्ट्रेलियाई टीम 300 का आंकड़ा नहीं छू पाई। टेस्ट क्रिकेट में यह काफी दुर्लभ है खासकर तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और स्पिन के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों में। इस प्रदर्शन से मेजबान टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी को अपने गेंदबाजी आक्रमण पर काफी गर्व और आत्मविश्वास है कि वे किसी भी विरोधी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

ग्रेनाडा के सेंट जॉर्ज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद सैमी ने कहा, 'हमने दुनिया की नंबर 1 टीम के खिलाफ तीन पारियां खेली हैं और हमने 30 विकेट लिए हैं, अगर आप छोड़े गए कैच को भी गिनें तो शायद 37 विकेट। मैं इसे ऐसे देखता हूं कि हमने जो होमवर्क किया है और हमारे गेंदबाज शीर्ष क्रम को चुनौती देते रहते हैं।'

कैरी-वेबस्टर की साझेदारी पर सैमी की राय

सैमी ने यह भी सुझाव दिया कि इस पारी में भी उनकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को एलेक्स कैरी और ब्यू वेबस्टर के बीच 112 रन की साझेदारी के साथ वापसी करने दी दोनों ने अर्धशतक बनाए। उन्होंने कहा, 'अगर आप दिन की शुरूआत विपक्षी टीम के टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने से करते हैं और आप उन्हें 280 तक सीमित कर देते हैं तो आप इसे स्वीकार करेंगे। लंच के बाद उनके ऐसे पैच थे जहां हमने उन्हें जाने दिया, लेकिन मुझे लगता है कि उसके बाद का सत्र, जब हमें पांच विकेट मिले, तो इससे इसकी भरपाई हो गई।'

नए गेंदबाजी कोच रवि रामपॉल की सैमी ने की तारीफ

डैरेन सैमी ने बॉलिंग कोच रवि रामपॉल की भी तारीफ की। सैमी ने कहा, 'रवि रामपॉल जब से आए हैं, हमने जिस संस्कृति को बदलने की कोशिश की है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि गेंदबाज इसे कैसे अपना रहे हैं और हम परिणाम देख सकते हैं।' 41 साल के सैमी ने ऑस्ट्रेलिया के 286 रन पर ऑल आउट होने के बाद कहा, 'कई बार हमारी गेंदबाजी के खिलाफ पहली पारी में घोषणा हो जाती। गेंदबाजों ने अपना होमवर्क किया है और जब वे गेंद को सही जगहों पर डालते हैं, तो यह सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं दुनिया में किसी भी बल्लेबाजी के शीर्ष क्रम को परेशान करते।'

भारत का बांग्लादेश दौरा तय समय पर नहीं होगा: सुरक्षा कारणों के चलते बीसीसीआई ने मना किया; बीसीबी ने मीडिया राइट्स की बिक्री रोकी

ढाका/नई दिल्ली। भारत का बांग्लादेश दौरा अब तय समय पर नहीं होगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भले ही आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली वनडे और ळ20 सीरीज की तैयारियां रोक दी गई हैं। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच हाल ही में बिगड़े रिश्तों और सुरक्षा की वजह से यह फैसला लिया गया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सीरीज के मीडिया राइट्स की बिक्री भी टाल दी है। पहले 7 जुलाई को टेक्निकल बोली और 10 जुलाई को फाइनेंशियल बोली होनी थी। लेकिन अब बोर्ड ने तय किया है कि वह पहले पाकिस्तान सीरीज (17-25 जुलाई) के लिए मीडिया राइट्स बेचेगा और फिर बाकी मैचों के लिए फैसला लेगा।

एक हफ्ते पहले बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा था कि दौरे में आने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

बीसीसीआई ने भी मना किया, कोई तारीख तय नहीं

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि भारत ने अगस्त में दौरे के लिए मना कर दिया है। बीसीसीआई ने फिलहाल कोई पक्की तारीख नहीं दी है। हालांकि, अगले हफ्ते तक इस पर आधिकारिक बयान आ सकता है। सीरीज को बाद में आयोजित किए जाने की उम्मीद है।

भारत सरकार ने मौजूदा हालात को देखते हुए बीसीसीआई को बांग्लादेश दौरे से बचने की सलाह दी है। हालांकि, यह सलाह सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज के लिए है। बांग्लादेश में आए दिनों हिंसा के मामले हो रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम को बांग्लादेश भेजना सही नहीं हैं। 3 जून को भारत सरकार ने पाकिस्तान की हॉकी टीम को एशिया कप के लिए बिहार आने की अनुमति दी है, जो 29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर में होगा। ऐसे में एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के मैच को लेकर संभावना बढ़ गई हैं।

बीसीबी अब अलग-अलग देशों के हिसाब से बेचेगा राइट्स

पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मीडिया राइट्स को तीन कैटेगरी में बेचना चाहा था। सैटेलाइट टीवी (दुनिया भर के लिए), डिजिटल ओटीटी और डीटीएच (सिर्फ बांग्लादेश)। अब बोर्ड ने टेंडर में बदलाव कर इसे रीजनल बेचने की योजना बनाई है।

पिछले साल अगस्त में छात्र आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया था

बांग्लादेश में अगस्त 2024 में छात्र विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना सरकार का पतन हो गया था। छात्रों के नेतृत्व में यह आंदोलन मुख्य रूप से सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण नीति के खिलाफ शुरू हुआ था। प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और देश भर में अशांति फैल गई।

इसके बाद से ही बड़े पैमाने पर हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। महिलाओं के साथ बर्बरता के कई वीडियो सामने आए। वहीं कई लोगों के घर तक जला दिए गए।

एजबेस्टन टेस्ट के दौरान जडेजा ने किया बीसीसीआई के दिशा-निर्देश का उल्लंघन

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नए दिशा-निर्देश का उल्लंघन किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे जिसके अनुसार कोई भी खिलाड़ी टीम बस के अलावा अपने से स्टेडियम से ना तो आ सकता है और ना ही जा सकता है।

टीम से पहले स्टेडियम पहुंचे थे जडेजा

दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जडेजा ने इसका उल्लंघन किया क्योंकि वह टीम के अन्य सदस्यों से पहले ही मैदान पर पहुंच गए थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, इस बात की संभावना नहीं है कि इसे लेकर जडेजा के खिलाफ कार्रवाई होगी क्योंकि वह इसलिए जल्दी आए थे जिससे पारी शुरू होने से पहले अधिक बल्लेबाजी अभ्यास कर सकें। जडेजा को पता था कि लीड्स टेस्ट में अच्छी स्थिति में होने के बावजूद दो बार भारतीय पारी लड़खड़ा गई थी जिस कारण अंत में टीम को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था। जडेजा मैच के पहले दिन उस

वक्त बल्लेबाजी के लिए उतरे थे जब भारत ने 211 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। भारतीय टीम को उस वक्त एक मजबूत साझेदारी की जरूरत थी। भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 310 रन बनाए थे। जडेजा ने अपनी जिम्मेदारी संभालते हुए कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर 99 रनों की साझेदारी कर ली थी जिसे दूसरे दिन आगे बढ़ाया। जडेजा और गिल ने दूसरे दिन पहले सत्र में शानदार बल्लेबाजी की। जडेजा ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। गिल और रवींद्र जडेजा ने छठे विकेट के लिए 203 रन जोड़कर भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जडेजा शतक पूरा नहीं कर सके और 89 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा और गिल के बीच हुई यह 200+ रनों की साझेदारी इंग्लैंड के खिलाफ किसी भारतीय जोड़ी के बीच छठे या उससे नीचे के विकेट के लिए तीसरी बड़ी साझेदारी है। इससे पहले ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा के बीच 2022 में इसी मैदान (एजबेस्टन) पर 222 रनों की साझेदारी हुई थी।

मैच की बात करें तो भारत की पहली पारी दूसरे दिन 587 रन पर ऑलआउट हुई थी और भारत ने अच्छी शुरूआत करते हुए इंग्लैंड के तीन विकेट गिरा दिए। हालांकि, हैरी ब्रूक और जो रूट ने चौथे विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी कर इंग्लैंड को संभाला। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने पहली पारी में तीन विकेट पर 77 रन बनाए हैं और वह अभी भारत से 510 रन पीछे चल रहा है। स्टंप्स के समय ब्रूक 30 और रूट 18 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

रूट ने गिफ्ट किया विकेट तो ड्रीम बॉल डालकर स्टोक्स को बनाया शिकार

बर्मिंघम: जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में मोहम्मद सिराज इंग्लैंड के एजबेस्टन मैदान पर भारत की तेज गेंदबाजी की अगुवाई कर रहे हैं। पहले मैच में भी उन्होंने कमाल की बॉलिंग की थी लेकिन किस्मत का साथ नहीं मिला। वह इंग्लैंड बल्लेबाजों को लगातार परेशान कर रहे हैं। इसके बाद भी विकेट नहीं मिला। अब टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में सिराज बल्लेबाजों को परेशान भी कर रहे हैं और उन्हें विकेट भी मिल रहा है।

दूसरे दिन उन्होंने जैक क्राउली को आउट किया था और तीसरे दिन की शुरूआत में उन्होंने जो रूट के साथ बेन स्टोक्स जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। तीसरे दिन के अपने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर सिराज ने जो रूट को आउट किया। रूट अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन एक सीधी गेंद जो लेग साइड जा रही थी, उस पर उनका बल्ला लग गया। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने शानदार डाइव लगाकर कैच पकड़ा।

जिला वृक्षारोपण समिति की मासिक बैठक जिलाधिकारी अध्यक्षता में संपन्न

9 जुलाई 2025 को होगा वृक्षारोपण महाअभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिला वृक्षारोपण समिति की मासिक बैठक दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन, गाजियाबाद में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। उक्त बैठक में ईशा तिवारी प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, अभिनव गोपाल मुख्य विकास अधिकारी, तथा समित के नामित एवं पदेन सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक के दौरान बताया गया कि अभी जनपद गाजियाबाद को पौधारोपण हेतु 9,24,980 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें वन विभाग को एक लाख का लक्ष्य प्राप्त हुआ जिसके सापेक्ष वन विभाग 2,00,975 पौधारोपण कर रहा है।

हिंडन नदी के किनारे अधिक-से-अधिक पौधरोपण कार्य कराया जाये : दीपक मीणा

करंट क्राइम। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि हिण्डन नदी के किनारे भी अधिक-से-अधिक पौधारोपण कार्य कराया जाये। वृक्षारोपण अभियान के समय ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों, एन०जी०ओ० तथा जन प्रतिनिधियों को वृक्षारोपण कराने हेतु प्रतिभाग कराया जाये, सभी विभाग पौधारोपण करने के उपरान्त उसके फोटोग्राफ्त मेरी लाइफ पोर्टल पर अपलोड़ करें। सभी विभाग प्रत्येक स्थल पर कराये गये पौधारोपण की फोटोग्राफ्स एवं उसकी समस्त जानकारी की एक बुकलेट भी तैयार करें।

अधिक से अधिक पौधे लगाते हुए उनका संरक्षण करना सुनिश्चित किया जाए : डीएम

करंट क्राइम। जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वर्ष 2025-26 मे वृक्षारोपण महा—अभियान के अन्तर्गत आपके द्वारा चिन्हित स्थलों में से कम-से-कम दो या तीन स्थल ऐसे चिन्हित करें, जिस पर बड़ी मात्रा में पौधा रोपण कार्य कराया जाये एवं अन्य विभाग के कुल 873119 लक्ष्य के सापेक्ष अपने-अपने विभाग का पौध उठान कार्य 7 जुलाई 2025 तक अवश्य पूर्ण कर लें, जिससे 9 जुलाई 2025 को वृक्षारोपण महाअभियान सम्पन्न हो सके।

पौधरोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए

करंट क्राइम। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत किये जाने वाले पौधारोपण की कार्ययोजना को सभी विभाग त्रुटि रहित बनाते हुए माइक्रो प्लानिंग करें, हर पौधारोपण स्थल की पूरी रिर्पोट बनाये कि किस जगह कितने—कितने पौधा का रोपण किया जायेगा साथ ही पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उनके संरक्षण का भी ध्यान रखा जायें। साथ ही बड़े पौधारोपण स्थलों को चिन्हित करते हुए 9 जुलाई को होने वाले वृक्षारोपण के महाअभियान में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करें। वृक्षारोपण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता उत्पन्न करें एवं उन्हें अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि पर्यावरण की शुद्धता वृक्षों की संख्या पर निर्भर करती है।

इंदिरापुरम में नाले की सफाई से टूटी गैस पाइपलाइन

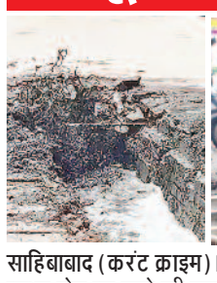

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शुक्रवार को इंदिरापुरम के न्यायखंड-2 काला पत्थर रोड पर नाले की सफाई करने पहुंची नगर निगम के टीम की लापरवाही से हजारों लोगों की जान पर बन आई। जेसीबी से नाला सफाई के दौरान नीचे से गुजर रही आईजीएल की पाइपलाइन टूट गई और गैस लीकेज होने लगी। लोगों का आरोप है कि लाइन टूटते ही नगर निगम की टीम मौके से भाग खड़ी हुई। जबकि बाद में आईजीएल कस्टमर केयर पर फोन कर गैस की मेन लाइन बंद करवाई गई। मौके पर पहुंचे आईजीएल की टीम ने कई घंटे में लाइन को दुरुस्त किया। इस दौरान इस इलाके में करीब दस हजार से अधिक घरों में चूल्हा नहीं जल सका। जिस जगह लाइन टूटी वह बाजार है और यहां सामने ही मिठाई की दुकान है। लोगों का आरोप है कि उन्होंने निगम की टीम को यहां से आईजीएल लाइन गुजरने की बात बताई थी बावजूद इसके लापरवाही बरती गई और लोगों का जीवन संकट में डाला गया। क्षेत्रीय पार्षद राधेश्याम त्यागी ने बताया कि इंदिरापुरम काला पत्थर रोड पर बरसात के दौरान जल भराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। नगर निगम ने काला पत्थर रोड पर शुक्रवार को नाले की सफाई का कार्य किया था। जिसके चलते नाले के अंदर आईजीएल की गैस लाइन जा रही थी, जो वह टूट गई। उन्होंने बताया नाले के अंदर आईजीएल की लाइन कैसे डाली गई, यह समझ से परे है। लेकिन क्षेत्र में जलभराव को दूर करने के लिए नाले की सफाई जरूरी है।

निगम का कौन सा अधिकारी चाहता है अपना तबादला कानपुर में करवाना

वैसे तो ये अधिकारी ऐसे हैं कि इनके पास काफी जिम्मेदारी है। सुना है निगम की मुखिया से लेकर सदन के माननीय तक इन्होंने मैनेज कर लिये और वो इनका कोई डैमेज नहीं कर सकते। कमाल ये है कि कमल वाले विधायकों से लेकर मेयर तक ने इनकी शिकायत की और हुआ कुछ भी नहीं। ये अधिकारी काफी अलर्ट रहते हैं और हर घटना पर बारीक नजर रखते हैं। कुछ दिन पहले कानपुर की मेयर गाजियाबाद आईं तो भाजपा के पार्षद ने उनसे राह चलते मुलाकात कर ली और सरकार वाली मेयर ने भी कार से बाहर आकर फोटो सेशन कर लिया। सुना है अधिकारी ने उस मैम्बर से ही सम्पर्क साध लिया। मन की इच्छा रखते हुए कहा कि मैं तो अपना तबादला कानपुर कराना चाहता हूं। पता चला है कि तुम्हारी तो वहां की मेयर से जान पहचान है। अब मैम्बर को कौन समझाये कि जब मन गाजियाबाद में रम जाता है तो मिजोरम में भी मन नहीं लगता है और ये तो वैसे भी अधिकारी है। इतनी आसानी से गाजियाबाद नहीं छोड़ेंगे। कमल वालों के जज्बातों से खेलने की उनकी आदत है। ये तबादले की बातें मैम्बर से करना तो उनकी अदावत है।

भाजपा का एक पार्षद करेगा नगर आयुक्त की तैनाती के लिए अनुष्ठान

हाउस टैक्स को लेकर निगम के बड़े अधिकारी ने स्पष्ट कर दिया कि राजस्व को बढ़ाना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि फूल वाले चाहे कितना ही तूल दें लेकिन हमने जो कुछ भी किया है वो एज पर रूल किया है। सदन की बैठक में उन्होंने साफ कहा कि निगम का इतने करोड़ का कर्जा था और हमने इतने करोड़ का कर्ज निगम की आदमनी से चुकता किया है। भाजपा का एक पार्षद उनके इस बयान के बाद काफी हैरान है। उसका कहना है कि नगर आयुक्त अगर और चार साल रूक जायें तो नगर निगम घाटे से भी बाहर आ जायेगा। भाजपा के इस पार्षद ने कहा है कि वह जल्द ही नगर आयुक्त की लंबी तैनाती के लिए हवन और अनुष्ठान करायेंगे।

कौन से माननीय लगा रहे हैं चरथावल में अपनी विकास की निधि

अभी चुनाव में भले ही दो साल दिख रहे हैं लेकिन चुनाव लड़ने के इच्छुक वीरों ने अभी से रणभूमि में काम करना शुरू कर दिया है। ऊपर वाले भी इशारे दे चुके हैं और नीचे वाले भी अब इशारों में इस बात को समझ रहे हैं। भगवागढ़ के एक माननीय भले ही यहां निवास करते हैं लेकिन उनकी निधि का निकास चरथावल में हो रहा है। बताने वाले बता रहे हैं कि उन्हें इशारा मिल गया है कि आपको चुनाव चरथावल से लड़ना है और जहां से लड़ना है पहले वहां विकास का संदेश वो देने में जुटे हैं। जनता के बीच ये उनका पहला चुनाव होगा और चुनाव से पहले उनके द्वारा चरथावल में जमकर विकास होगा।

गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल और बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रियल एरिया मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन की संयुक्त बैठक संपन्न

पूरे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान का मिलकर प्रयास करेंगे : डॉ.अतुल जैन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और इंडस्ट्रियल एरिया मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र के पदाधिकारियों की एक संयुक्त बैठक हुई जिसमें दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र और लोहा मंडी क्षेत्र में उद्यमियों और व्यापारियों को आ रही समस्याओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की और समाधान के लिए सभी के सुझाव आमंत्रित किए गए।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा संपूर्ण क्षेत्र में नई सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है उसके कारण काफी सारे रास्ते बाधित हो रहे हैं और उसकी वजह से छोटे-बड़े वाहन, ट्रक, ट्रेलर्स इत्यादि जहां-तहां खड़े रहते हैं और लोड होने के बाद भी वाहन अपने गंतव्य स्थान पर नहीं जाते हैं इस पर यह सुझाव आए कि किसी एक बड़े स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था की जानी चाहिए।

साथ ही यदि ट्रैफिक पुलिस विभाग से नो एंट्री के कारण भी कुछ वाहन औद्योगिक क्षेत्र में खड़े रहते हैं उनको गंतव्य स्थान पर जाने के लिए ट्रैफिक पुलिस विभाग से अनुमति मिलनी चाहिए।

उद्योग और व्यापार के लिए धर्म कांटों का होना अति आवश्यक है, धर्म कांटों पर भी कई बार दबाव बढ़ जाता है और काफी सारे वाहन एक साथ तुलवाने के लिए आ जाते हैं और भीड़ लग जाती है उसको भी व्यवस्थित करने के लिए निर्णय लिया गया।

बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र और लोहा मंडी क्षेत्र को जोड़ने वाली बीच की सड़क को जब तक सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है एक तरफा मार्ग घोषित करके वाहन एक तरफ से ही संचालित किए जाने के लिए भी निर्णय किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण और गाजियाबाद जनपद के ट्रैफिक पुलिस विभाग से संपर्क करके समस्याओं के समाधान हेतु एक बैठक की जाएगी जिससे कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क के चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था हो सके और ट्रैफिक का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके। बैठक में गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल की ओर से अतुल जैन, जय कुमार गुप्ता,सुबोध गुप्ता, अमरीश जैन, सतीश बंसल,अनुराग अग्रवाल, राजीव गुप्ता, राजीव मंगल, कपिल जैन, इंद्र मोहन कुमार, सुरेश चंद्र गुप्ता, संजय मित्तल, विकास जैन, सौरव गोयल, संजय बंसल और बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र के संगठन की ओर से संजीव सचदेवा, रोहतास गुलाटी,नवीन अग्रवाल, सुरेंद्र अरोड़ा,और अनिल तनेजा इत्यादि उपस्थित रहे।

गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल की ओर से डॉ.अतुल कुमार जैन ने सभी साथियों के साथ बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र के संगठन के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया और पधारे हुए दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दोनों संस्थाओं की ओर से यह भी निर्णय किया गया कि संपूर्ण क्षेत्र को एक आदर्श औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्र बनाने के लिए सभी एक दूसरे का भरपूर सहयोग करेंगे।

कांवड़ मार्ग पर हिंदू रक्षा दल का अभियान

नॉनवेज दुकानों को सावन में बंद रखने की अपील

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मेरठ रोड स्थित कांवड़ मार्ग पर हिंदू रक्षा दल ने सावन मास को लेकर विशेष अभियान चलाया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने नॉनवेज बेचने वाली दुकानों और होटलों का दौरा किया। उन्होंने दुकानदारों से सावन के दौरान धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए दुकानें बंद रखने की अपील की।

हिंदू रक्षा दल के गौरव सिसोदिया ने कहा कि सावन में लाखों कांवड़िए इस मार्ग से गुजरते हैं। उनका कहना है कि मांसाहारी भोजन की बिक्री से धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं। यह अभियान श्रद्धालुओं की आस्था और भोजन की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा है। संगठन ने उन होटलों को चेतावनी दी, जो हिंदू नामों का उपयोग कर रहे हैं। सिसोदिया के अनुसार, होटल मालिकों को अपने असली नाम और पहचान स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी चाहिए। इससे श्रद्धालुओं को भ्रम नहीं होगा और वे निश्चिंत होकर भोजन कर सकेंगे। कार्यकर्ताओं ने शुद्ध शाकाहारी दुकानों पर भगवा झंडे लगाए। इससे उन्हें 'हिंदू होटल' के रूप में पहचाना जा सकेगा।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर 14 साल के छात्र से 10 लाख के गहने हड़पे, पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

मोदीनगर (करंट क्राइम)। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के जरिए एक किशोर से 10 लाख रुपये से अधिक के गहने हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वॉर्डर कॉलोनी निवासी गोविंद शर्मा के भतीजे (14) की इंस्टाग्राम पर दिव्यम नाम के युवक से दोस्ती हुई। दिव्यम ने किशोर को आई-फोन इस्तेमाल करने के लिए कहा। इसके बाद दिव्यम और उसके साथियों ने किशोर को पुलिस में शिकायत करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। किशोर ने धमकी के डर से घर से 12 तोले से अधिक सोने के गहने चुराकर आरोपियों को दे दिए। गहनों के गायब होने पर गोविंद शर्मा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय के नेतृत्व में टीमों का गठन किया। जांच में पता चला कि आरोपी दिव्यम गांव फजलगढ़ थाना भोजपुर का रहने वाला है। पुलिस ने दिव्यम और उसके साथी शैलेश उर्फ मोनू मुन्नु को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। शैलेश भी भोजपुर का रहने वाला है। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद किशोर को जाल में फंसाकर किया ब्लैकमेलू पुलिस को पूछताछ में पकड़े गए आरोपी दिव्यम और शैलेश ने बताया कि लगभग दो महीने पहले दिव्यम की इंस्टाग्राम पर किशोर से दोस्ती हुई थी। दिव्यम ने किशोर को आई-फोन दिखाकर उसे खरीदने के लिए कहा। साथ ही सस्ती दरों पर अच्छा आई-फोन दिलाने का झांसा देकर उसके घर से दो सोने की अंगूठी चोरी से मंगा ली।

आरोपियों ने अंगुठी लेकर किशोर को आई-फोन दिला दिया। कुछ दिन बाद आरोपियों ने किशोर से फोन में आपत्तिजनक सामग्री होने की बात कहते हुए उससे आई-फोन वापस ले लिया। आरोपियों ने किशोर को ब्लैकमेल किया कि पुलिस को तुम्हारे घर से अंगुठी चोरी होने की सूचना मिल गई है। इससे किशोर दहशत में आ गया। इसके बाद आरोपी किशोर को पकड़कर मोदीपोन चौकी की तरफ ले गए और अपने चाचा को पुलिस इंस्पेक्टर बताते हुए गिरफ्तार कराने की धमकी दी। अपने घर से सारे गहने लाकर उन्हें दे दे। दहशत में आए किशोर ने उन्हें सोने की अंगुठी,कंगन,मंगलसूत्र और झुमके आदि लाकर दे दिए। दहशत में आए किशोर ने उन्हें सोने की अंगुठी,कंगन,मंगलसूत्र और झुमके आदि लाकर दे दिए।

पासपोर्ट वेरीफिकेशन और चरित्र प्रमाण पत्र जारी करने में इंदिरापुरम थाने का प्रदर्शन निम्न स्तरीय

अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों को कार्यशैली में सुधार लाने की दी चेतावनी

गाजियाबाद करंट क्राइम। एसीपी ट्रांस हिंडन की ओर से शुक्रवार को इंदिरापुरम के बीएसआई और बीपीओ के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी इंदिरापुरम और चौकी प्रभारी शामिल हुए। बैठक में सिटीजन सर्विसेज एवं फीडबैक सेल रिपोर्ट को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इनमें फीडबैक सेल की 15 जून से 30 जून तक की रिपोर्ट के आधार पर ट्रांस हिंडन जोन में कुल 5 प्रकरणों में से 4 पुलिसकर्मियों की शिकायत पाई गई जिसमें थाना इंदिरापुरम में नियुक्त 3 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय जांच की गई।

बैठक में बताया गया कि पासपोर्ट सत्यापन, चरित्र प्रमाणपत्र आदि में इंदिरापुरम थाने की स्थिति अत्यंत खराब पाई गई। थाना प्रभारी व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि पासपोर्ट व चरित्र प्रमाणपत्र के सत्यापन के लिए किसी को थाना या चौकी पर ना बुलाया जाए। अनावश्यक मांग न की जाए। अपने अपने बीट के संभ्रांत व्यक्ति या सोसाइटी के सदस्य आदि का एक व्हाटसएप ग्रुप बनाया जाए, यदि कोई परिवार किसी कारण बाहर गया है तो इसकी सूचना व्हाटसएप ग्रुप पर दी जाए ताकि वहां गश्त बढाई जाए। बैठक में चौकी प्रभारी, बीएसअई और बीपीओ को निर्देश दिए गए है कि सप्ताह में दो तीन बार अपनी बीट क्षेत्र का अवश्य भ्रमण करें, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त हो सके। थाना चौकी पर जनसुनवाई का रजिस्टर बनाया जाए जिसमें प्रतिदिन जनसुनवाई का विवरण पेश किया जाए। पीडित की समस्याओं को सुनकर उनकी समस्या का निराकरण किया जाए तथा उनके साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं किया जाए।

पार्षद मदन राय ने किया समर्पण पार्क में पौधारोपण

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 86 राजेंद्र नगर सेक्टर 5 समर्पण पार्क में शुक्रवार में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पार्षद मदन राय ने पौधरोपण किया। पार्षद मदन राय ने कहा कि पौधारोपण का मकसद पर्यावरण को हरा भरा से ओतप्रोत करना है। उन्होंने आम लोगों से इसे पौधारोपण अभियान के रूप में लेने की अपील की तथा कहा कि पौधारोपण से पर्यावरण का संरक्षण होता है इससे मानव जीवन सहित अन्य प्राणियों को स्वच्छ ऑक्सीजन मिलता है उन्होंने लोगों से पौधारोपण और इसे संरक्षित करने के साथ नियमित रूप से सींचने की अपील की।

बारिश से कच्चा मकान ढहा, 75 वर्षीय किसान मौत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनगर एक्सटेंशन में बृहस्पतिवार की देर रात हुई तेज बारिश में एक कच्चा मकान ढह गया। इस हादसे में 75 वर्षीय किसान भगवत सिंह की मलबे में दबकर मौत हो गई। घटना के समय भगवत सिंह अपने मकान में थे। तेज बारिश से मिट्टी कमजोर हो गई। इससे मकान अचानक गिर पड़ा। मकान गिरने की आवाज सुनकर पास के गुरुद्वारे में रहने वाले नागेंद्र सिंह और उनके दोस्त गुरदीप मौके पर पहुंचे। दोनों ने मलबे से भगवत सिंह को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने भगवत सिंह को तुरंत संजय नगर स्थित संयुक्त अस्पताल पहुंचाया। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर योगेंद्र सिंह ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बसपा ने की गाजियाबाद विधानसभा में सेक्टर व बूथ गठन को लेकर समीक्षा बैठक

मेरठ मंडल प्रभारी ने कहा, 2027 में प्रदेश में बनेगी बसपा की सरकार

गाजियाबाद करंट क्राइम। बसपा की ओर से शुक्रवार को शहर विधानसभा में सेक्टर समीक्षा और बूथ गठन के लिए बैठक का आयोजन किया गया। शान्ति नगर सेक्टर में आयोजित बैठक में मेरठ मंडल प्रभारी जाफर मलिक मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे।

गाजियाबाद शहर विधानसभा में पार्षद नरेश जाटव के कैम्प कार्यालय पर आयोजित सेक्टर बैठक में मंडल प्रभारी से लेकर जिला और महानगर कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में जाफर अली ने कहा कि आने वाले 2027 विधानसभा चुनाव में बसपा एक मजबूत ताकत के रूप में मैदान में उतरेगी। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को एक जुट होकर कार्य करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ और सेक्टर कमेटियों को लेकर सीधा संवाद किया।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर बहनजी के शासन काल में कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की जानकारी देनी है। समाज के लोगों को महापुरुषों के त्याग व बलिदान से अवगत कराना है। बाबा साहेब डा भीम राव अम्बेडकर के संघर्ष और पूना पेक्ट के विषय में लोगों को बताना है। मेरठ मंडल प्रभारी मेघानंद जाटव ने बसपा की नीति और मायावती के शासनकाल में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2027 में एक बार फिर से बसपा की सरकार बनेगी और बहन मायावती ही मुख्यमंत्री बनेंगी।

जिला अध्यक्ष नरेन्द्र मोहित एडवोकेट ने कहा कि बसपा की सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। किसान- मजदूर, दलित ओबीसी समाज की समस्याएं दूर होगी। जाति भेदभाव को खत्म किया जाएगा। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष लख्मी सिंह, राहुल जाटव, वरूण,धीरज पंडित, रमन जाटव, महेश जाटव, राकेश ठाकुर, सेक्टर के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन रामरूप सिंह बौद्ध ने किया।

वसुंधरा जोन में कांवड़ यात्रा मार्ग पर चल रहा सफाई कार्य

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सावन मास की पवित्र कावड़ यात्रा को दिव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए वसुंधरा जोन नगर निगम ने कमर कस ली है। वसुंधरा जोन प्रभारी सुनील राय के दिशा निर्देश अनुसार कांवड़ यात्रा को लेकर सफाई शुरू हो गई है। इंदिरापुरम, में कांवड़ यात्रा के मार्ग को साफ किया जा रहा है ताकि कांवड़ियों को कोई परेशानी न हो।

सफाई इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने बताया कि कांवड़ यात्रा, जो 11 जुलाई से शुरू होने वाली है, के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। वसुंधरा जोन में, नगर निगम द्वारा सड़कों और गलियों की सफाई की जा रही है, कचरा हटाया जा रहा है और पेयजल की व्यवस्था की जा रही है।

कांवड़ यात्रा, शिव भक्तों द्वारा भगवान शिव को गंगाजल चढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है। यह यात्रा सावन के महीने में होती है और कांवड़िये हरिद्वार, गौमुख और गंगोत्री जैसे तीर्थ स्थानों से गंगाजल लेकर आते हैं। इस यात्रा के दौरान, कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए सफाई, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यात्रा मार्ग स्वच्छ और सुरक्षित रहे।

सफाई नायक संदीप कुमार ने बताया कि वसुंधरा जोन में 40 के करीब कावंड शिविर लगते हैं, शुक्रवार को दोंनो मार्गों पर सफाई व्यवस्था शुरू कर दी गई है। इंदिरापुरम नहर रोड पर 15 के करीब कावंड़ शिविर लगते हैं, वही लिंक रोड पर 22 के करीब कावंड़ शिविर लगते हैं। 11 जुलाई से कावंड़ यात्रा शुरू हो रही है, इससे पहले कावड़ मार्गों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त किया जा रहा है। वही रात और दिन के अलग-अलग कर्मचारी लगाए गए हैं, जिससे शिव शिव भक्तों को कोई समस्या उत्पन्न ना हो।

इस्राइल हवाई हमलों 15 फलस्तीनियों की मौत

मदद का इंतजार कर रहे 20 अन्य लोगों की भी गई जान

दीर अल बलाह । नासिर अस्पताल के मुताबिक, इस्राइली हवाई हमलों में 15 लोग मारे गए, जिनमें आठ महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं, जबकि मदद का इंतजार कर रहे 20 अन्य लोग गोलीबारी में मारे गए। इनमें से दो की मौत रफा में मदद वितरण केंद्रों के पास हुई और 18 लोग दक्षिणी गाजा में अन्य स्थानों पर ट्रकों से राहत सामग्री का इंतजार करते हुए मारे गए। यह हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब 21 महीने से जारी संघर्ष को रोकने की कोशिशें की जा रही हैं।

इस्राइली हवाई हमलों में शुक्रवार तड़के गाजा में 15 फलस्तीनी मारे गए, जबकि मदद का इंतजार कर रहे लोगों पर हुई गोलीबारी में 20 अन्य लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी उस अस्पताल की शवगृह से मिली जिसने उनके शवों को प्राप्त किया। एसोसिएटेड प्रेस ने यह जानकारी दी

हमास ने शुक्रवार को कहा कि वह मिस्र और कतर के मध्यस्थों की ओर से पेश किए एक युद्धविराम प्रस्ताव पर अन्य फलस्तीनी गुटों के नेताओं के साथ बातचीत कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि इस्राइल गाजा में 60 दिनों के युद्धविराम की शर्तों पर सहमत हो गया है। उन्होंने हमास से आग्रह किया था कि वह हालात और बिगड़ने से पहले समझौते को स्वीकार करे। हमास ने अपने बयान में कहा कि बातचीत समाप्त होने के बाद वह मध्यस्थों को अंतिम जवाब देगा।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गाजा में अब तक मारे गए फलस्तीनियों की संख्या 57,000 से अधिक हो चुकी है। मंत्रालय अपने आंकड़ों में आम नागरिक और लड़ाकों में फर्क नहीं करता। उसका कहना है कि मरने वालों में से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। यह युद्ध तब शुरू हुआ, जब हमास ने अक्तूबर 2023 में दक्षिण इस्राइल पर हमला किया, जिसमें 1,200 लोगों की मौत हुई और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया गया।

फलस्तीनी चश्मदीदों और गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मई में राहत केंद्र खुलने के बाद से इस्राइली सेना की गोलीबारी में सैकड़ों लोग मारे गए हैं या घायल हुए हैं। ये मौतें उस समय हुईं, जब वे मदद लेने पहुंचे थे। इस्राइली सेना ने कई बार कहा है कि उसने गोलीबारी केवल चेतावनी देने के लिए की है। जानबूझकर आम नागरिकों पर गोली नहीं चलाई गई है।

आईएसएस पर अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने पूरा किया एक सप्ताह, छुट्टी के दिन परिवार से की बात

फ्लोरिडा । निजी स्पेस कंपनी एक्सिओम के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर (आईएसएस) गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक सप्ताह पूरा कर लिया है। इस दौरान उन्होंने यहां कई शोध किए हैं। बुधवार को छुट्टी के दिन शुभांशु ने पृथ्वी पर अपने परिजनों से बात की। इसके बाद शोध कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए तैयारी की।

एक्सिओम स्पेस ने अपने आधिकारिक ब्लॉग में कहा एक्सिओम मिशन 4 (एक्स -4) चालक दल के कमांडर पैगी व्हिटसन, पायलट शुभांशु शुक्ला, मिशन विशेषज्ञ स्लावोज सुवे उज्नानस्की-विस्नीवस्की और टिबोर कापू ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक पूरा सप्ताह बिता दिया है। 26 जून को डॉकिंग के बाद से बुधवार के अंत तक अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के चारों ओर लगभग 113 परिक्रमाएं पूरी कर चु के हैं। बुधवार को चालक दल ने ऑफ-ड्यूटी दिन का आनंद लिया। इससे उन्हें रिचार्ज करने और पृथ्वी पर परिवार और दोस्तों से जुड़ने का मौका मिला। गुरुवार को चालक दल वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के व्यस्त कार्यक्रम में वापस आ जाएंगे। यह सप्ताहांत तक जारी रहेगा।

कंपनी ने कहा कि केवल सात दिनों में अंतरिक्ष यात्रियों ने पहले ही वैज्ञानिक अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पैगी अंतरिक्ष में ट्यूमर कोशिकाओं के व्यवहार का अध्ययन करने के लिए माइक्रोग्रैविटी का उपयोग करके कैंसर अनुसंधान कर रही हैं, जो मेटास्टेटिक कैंसर के लिए नए चिकित्सीय लक्ष्य विकसित करने में मदद कर रहा है।

वहीं शुभांशु शुक्ला माइक्रोग्रैविटी के शैवाल पर विकास और आनुवंशिक व्यवहार पर शोध कर रहे हैं। वे यह भी शोध कर रहे हैं कि टार्डीग्रेड्स (एक तरह का छोटा जीव, जो कि चरम स्थितियों में भी खुद को सामान्य रख सकता है) अंतरिक्ष के खतरनाक माहौल में कौन से जीवाणु सुरक्षित रह सकते हैं। इसके अलावा वे शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानों में मांस कैसे कम होता है और इससे निपटा कैसे जा सकता है।

बीच हवा में भारतीय मूल के यात्री ने दबाया सहयात्री का गला, लैंड होते ही गिरफ्तारी

मियामी । फिलाडेल्फिया से मियामी की उड़ान के दौरान विमान में मारपीट का मामला सामने आया है। उड़ान के दौरान मारपीट करने के लिए और अपने सह-यात्री पर हमला करने के आरोप में एक भारतीय मूल के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह वाकया 30 जून को फ्रंटियर एयरलाइंस की उड़ान में हुआ। इस मारपीट का वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में भारतीय मूल के नेवार्क निवासी 21 वर्षीय ईशान शर्मा और कीनू इवांस को लड़ाई करते हुए देखा जा सकता है।

हवा में मारपीट का वीडियो वायरल

फ्रंटियर एयरलाइंस की उड़ान में हुई मारपीट के वायरल हो रहे वीडियो में ईशान शर्मा और कीनू इवांस एक-दूसरे की गर्दन पकड़ने और उसे दबाने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं, जबकि साथी यात्री उन्हें ऐसा करने से मना कर रहे हैं। वहीं, जब विमान मियामी में उतरा तो तुरंत ही ईशान शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मियामी में विमान के लैंड होने के बाद इवांस ने पुलिस को बताया कि ईशान ने उस पर हमला बिना किसी उकसावे के किया। वह उसके पास आए और उन पर हमला किया और उनकी गर्दन पकड़ ली और दबाने की कोशिश करने लगे। इस दौरान ईशान अजीबोगरीब तरीके से बड़बड़ा रहे थे। इस दौरान इवांस ने भी बचने की कोशिश में पलटवार किया, जिसमें ईशान को चोटें आई हैं।

ईशान के वकील ने किया ये दावा

वहीं, ईशान शर्मा के वकील ने दावा किया है कि वे विमान में ध्यान कर रहे थे, जिसे उनके सहयात्री ने गलत समझा और विमान के क्रू मेंबर से इसकी शिकायत की। जिसके बाद बात बढ़ गई।

प्रधानमंत्री कमला ने स्वागत भाषण में पढ़ी पीएम मोदी की कविता, तारीफ में जमकर पढ़े कसीदे

पोर्ट ओफ स्पेन । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा के दूसरे चरण में त्रिनिदाद एंड टोबैगो पहुंचे। उन्होंने यहां त्रिनिदाद एंड टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से मुलाकात की। इस दौरान एक खास पल भी आया, जब पीएम कमला ने पीएम मोदी की किताब 'आंख आ धन्य छे' में प्रकाशित एक कविता का जिक्र किया। आंख आ धन्य छेह्न में कविता गुजराती भाषा में लिखी गई ह्यआंख आ धन्य छेह्न में कविता गुजराती भाषा में लिखी है। इसमें लिखा है- 'मेरे मन की गहराइयों में, मैं अतीत में बहुत दूर जाता हूं। हर पल एक याद बनकर खुलता है, मेरी स्मृतियां आसानी से लौट आती हैं। हर चेहरा आसानी से पहचाना जाता है, कुछ भी छिपा नहीं रहता, क्योंकि सत्य साफ दिखाई देता है। हमारे उन साथियों के लिए, जिनके साथ हमने कष्ट सहे। वे कभी भुलाए नहीं जाते, एक साथ सहे उन कष्टों को अंत में वे ही यात्रा बन जाते हैं।'

कमला ने इस कविता के जरिए भारत और कैरेबियाई देश के बीच स्थायी रिश्ते को दर्शाया। उन्होंने पीएम मोदी के भारतीय प्रवासियों के साथ गहरे भावनात्मक संबंधों को बयां करने का प्रयास किया

पीएम मोदी की जमकर तारीफ

अपने संबोधन में उन्होंने पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी के दौरे को गहरा सम्मान और साझा इतिहास का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'हमें एक ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति का सौभाग्य प्राप्त है, जो हमारे लिए बहुत प्रिय है। यह दौरा सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे विश्व के सबसे सम्मानित और दूरदर्शी नेताओं में से एक भारत के प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने का विशेष सौभाग्य मिला है।'

'आपने विश्व भर के भारतीयों के दिलों में गर्व की भावना जगाई'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री जी, आप एक परिवर्तनकारी शक्ति हैं, जिन्होंने भारत के शासन को बेहतर बनाया और अपने देश को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। आपके दूरदर्शी और भविष्यवादी पहलों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाया, एक अरब से अधिक नागरिकों को सशक्त किया। सबसे बढ़कर आपने विश्व भर के भारतीयों के दिलों में गर्व की भावना जगाई।'

भारत की वैश्विक वैक्सीन मैत्री पहल का भी जिक्र उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व और भारत की वैश्विक वैक्सीन मैत्री पहल का भी जिक्र किया। यह प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का त्रिनिदाद एंड टोबैगो का पहला दौरा है।

मेलानिया ट्रंप ने वाशिंगटन में बीमार बच्चों से की मुलाकात

वॉशिंगटन । मेलानिया ट्रंप ने अस्पताल की छत पर बने 'हीलिंग गार्डन' का भी दौरा किया। यह बगीचा उन्होंने पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका की सभी प्रथम महिलाओं को सम्मान देने के लिए बनवाया था। बगीचे में मेलानिया ने बच्चों के साथ पत्थरों को सजाया। एक पत्थर पर उन्होंने लाल रंग का दिल बनाया। कुछ बच्चे चिकनी मिट्टी से खेल रहे थे। मेलानिया ने उनसे बातचीत की। उन्होंने बच्चों को कंबल और टेडी बियर के साथ उपहार बैग दिए, जिन पर शर्ट पर लिखा था, 'बेस्ट बनो'। यह उनके बच्चों की भलाई के अभियान का हिस्सा था।

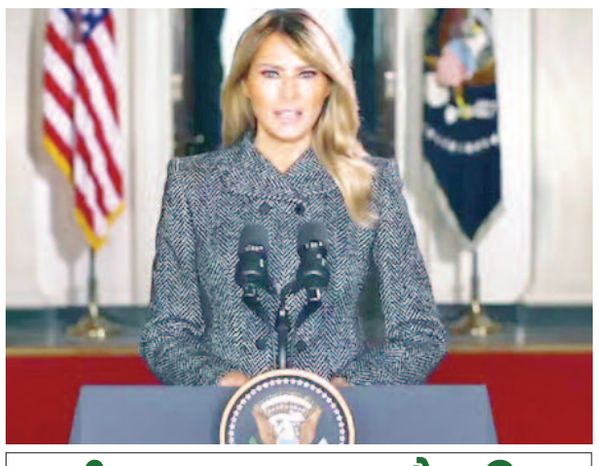

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानियान ट्रंप ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को वाशिंगटन में राष्ट्रीय अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बीमार बच्चों से मुलाकात की, जहां बच्चों ने छुट्टी से पहले चौथी जुलाई की कला और शिल्प बनाए

राष्ट्रीय अस्पताल का दौरा किया

मेलानिया ने बच्चों से पूछा कि उन्हें कौन से खेल पसंद हैं, कौन सा म्यूजिक सुनना अच्छा लगता है और वे कैसे महसूस कर रहे हैं। उन्होंने बच्चों से यह भी पूछा कि उन्हें चॉकलेट और आइसक्रीम पसंद है या नहीं। ज्यादातर बच्चों ने हाथ उठाए और मेलानिया ने भी। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मुझे भी यह पसंद है।'

बच्चों को बनी मेलन हीलिंग गार्डन ले गईं मेलानिया इसके बाद मेलानिया बच्चों को 'बनी मेलन हीलिंग गार्डन' में ले गईं, जहां बच्चों ने मिट्टी में छोटे अमेरिकी झंडे और देशभक्ति से भरे रंग के पिनव्हील लगाए। इस बगीचे का नाम 'रेचल 'बनी' मेलन' के नाम पर रखा गया है, जो पूर्व राष्ट्रपति कैनेडी की पत्नी जैकलीन कैनेडी की दोस्त थीं। वे एक उद्यान डिजाइनर थीं। उन्होंने कैनेडी प्रशासन के दौरान रोज गार्डन और व्हाइट हाउस के अन्य बगीचों को सजाया था। मेलानिया ने नई पीली गुलाब की झाड़ी को भी देखा यह बगीचा अमेरिका की सभी प्रथम महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने लंबे समय से अस्पताल और वहां के मरीजों की मदद की है। हर साल क्रिसमस पर प्रथम महिला द्वारा अस्पताल का दौरा करने की परंपरा है, जो बेस ट्रूमैन के समय से चली आ रही है। मेलानियान ने व्हाइट हाउस के मुख्य माली डेल हैनी के साथ एक नई पीली गुलाब की झाड़ी को देखा, जिसे इस सप्ताह की शुरूआत में अस्पताल के बगीचे में लगाया गया था। यह गुलाब का पौधा व्हाइट हाउस की ओर से दिया गया था।

दक्षिण सूडान जाएंगे तीसरे देश के आप्रवासी

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा मैसाचुसेट्स के जज का आदेश

वॉशिंगटन । अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट ने दक्षिण सूडान से कोई संबंध न रखने वाले कई आप्रवासियों को वापस भेजने का रास्ता साफ कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश ने मई में दिए गए मैसाचुसेट्स के यूएस डिस्ट्रिक्ट जज ब्रायन ई मर्फी का आदेश पलट दिया है, जिन्होंने म्यांमार, वियतनाम और कुछ अन्य देशों से आए करीब 12 लोगों दक्षिण सूडान भेजे जाने पर रोक लगा दी थी और उन्हें हिरासत में ही रखने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट का नया निर्णय न्यायाधीशों द्वारा यह पाए जाने के बाद आया है कि आव्रजन अधिकारी लोगों को तीसरे देशों में तुरंत निर्वासित कर सकते हैं। अदालत के आदेश के बाद अब कुछ सप्ताह पहले रोके गए दक्षिण सूडान भेजे जाने वाले आप्रवासियों को वापस वहां भेजा जाएगा। इन अप्रवासियों ने अपने देश से बाहर के देशों में किसी भी निष्कासन को चुनौती दी थी। चूंकि दक्षिण सूडान लंबे समय से युद्धग्रस्त है ऐसे में आप्रवासियों ने तर्क दिया था कि वे वहां खतरे में हो सकते हैं।

आप्रवासियों के वकीलों ने दिया था ये तर्क: दक्षिण सूडान भेजे जाने वाले आठ प्रवासियों के वकीलों ने अपनी दलील दी थी कि अगर उन्हें दक्षिण सूडान भेजा गया तो उन्हें कारावास, यातना और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि वहां बढ़ते राजनीतिक तनाव के कारण एक और गृहयुद्ध का खतरा पैदा हो गया है। बता दें कि मई में दक्षिण सूडान भेजे गए आठ लोगों को अमेरिका में गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था। साउथ सूडान को लेकर चिंता बता दें कि साउथ सूडान 2011 में बना नया देश है, लेकिन तब से लगातार गृहयुद्ध, हिंसा और मानवाधिकार हनन का शिकार रहा है।

कराची में जून महीने में 60 बार कांपी धरती, लोगों में दहशत

कराची । इन दिनों पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लोगों की रातें आपदा के साये में कट रही हैं। पाकिस्तान के प्रमुख शहरों में शुमार कराची में जून महीने में 60 बार धरती कांप चुकी है। यहां जून में आए भूकंप के झटके भले ही कम तीव्रता वाले रहे हों, लेकिन लोगों में दहशत बढ़ गई है। कराची के मेयर मुर्तजा वहाब का कहना है कि दो से 22 जून के बीच आए लगातार भूकंप के झटकों के बाद लोग बेचैन हैं। उनको आपदा का डर सता रहा है।

पाकिस्तान के मौसम विभाग का कहना है कि कराची में कम तीव्रता वाले भूकंप के 33 झटके मलीर के नजदीकी इलाकों में दर्ज किए गए। इसके अलावा कायदाबाद, लांधी, गदप, डीएचए सिटी और डीएचए कराची और कोरंगी में भी धरती कांपी। दो जून को कम से कम 10 बार भूकंप के झटके आए। जबकि इसके अगले दिन एक दर्जन झटके महसूस किए गए। वहीं तीन तीव्रता से अधिक वाले छह भूकंप 22 जून को दर्ज किए गए।

लांधी में एक कपड़ा फैक्टरी में काम करने वाले जहीर उल हसन ने कहा कि हम जानते हैं कि हमें कैसा महसूस हुआ। हम जमीन को हिलता हुआ महसूस कर सकते थे और हमें कुछ बुरा होने की आशंका थी, लेकिन कुछ सेकंड के बाद झटके कम हो गए। जब इतने सारे झटके आते हैं तो जाहिर है कि आप तनाव बढ़ता है।

लांधी में रहने वाले फैजान कादरी कहते हैं कि दो से 22 जून के बीच उन्होंने कम से कम 40 भूकंप के झटके महसूस किए हैं। लगातार आ रहे भूकंप के झटकों ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। मलीर निवासी निगहत खान ने कहा कि हर बार जब भी भूकंप आता था, चाहे दिन हो या रात, हम अपने परिवार के साथ घरों से बाहर निकल आते थे।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, कीव पर दागीं 550 मिसाइलें और ड्रोन, गूंजती रही धमाकों की आवाज

कीव । रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर बड़ा हमला किया है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर 550 मिसाइलें और शाहिद ड्रोन दागे। कीव में पूरी रात धमाकों की आवाज गूंजती रही। यूक्रेन ने बताया कि इन हमलों में 23 लोग घायल हो गए। इसके अलावा इमारतों को बड़ा नुकसान पहुंचा। रूस की वायु सेना ने बताया कि उसने रात भर में यूक्रेन में 550 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। इनमें से ज्यादातर शाहिद ड्रोन थे। हमले में 11 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। कीव में लगातार ड्रोनों की गड़गड़ाहट और विस्फोटों, मशीन गन की गोलीबारी की आवाजें सुनीं गईं। यूक्रेनी सेना हवाई हमलों को रोकने की कोशिश की। बताया गया कि हमले का मुख्य लक्ष्य कीव था। मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार हमलों में कम से कम 23 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 14 अस्पताल में भर्ती हैं।

यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत करने और यूक्रेन को हथियारों की कुछ खेप रोकने के अमेरिका के निर्णय के कुछ घंटों बाद हुआ

रूस ने नौ मिसाइलों और 63 ड्रोनों से आठ स्थानों पर सफलतापूर्वक हमला किया। वहीं यूक्रेनी वायु रक्षा ने दो क्रूज मिसाइलों सहित 270 ड्रोनों को मार गिराया। अन्य 208 लक्ष्य रडार से गायब हो गए और माना गया कि वे जाम हो गए हैं। रोके गए ड्रोनों का मलबा कम से कम 33 स्थानों पर गिरा।

10 जिलों में भारी नुकसान

यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं ने राजधानी कीव के 10 जिलों में से कम से कम पांच में नुकसान की सूचना दी है। सोलोमिंस्की जिले में एक पांच मंजिला आवासीय इमारत आंशिक रूप से नष्ट हो गई। जबकि एक सात मंजिला इमारत की छत में आग लग गई। एक गोदाम एक गैरेज परिसर और एक ऑटो मरम्मत सुविधा में भी आग लग गई।

स्वियातोशिन्स्की जिले में एक 14 मंजिला आवासीय इमारत में आग लग गई। आस-पास के कई वाहनों में भी आग लगी। इसके अलावा गैर-आवासीय सुविधाओं में भी आग लगने की खबरें हैं। उधर शेवचेन्कीव्स्की जिले में एक आठ मंजिला इमारत पर हमला हुआ, जिसमें पहली मंजिल को नुकसान पहुंचा। डार्नित्स्की और होलोसिव्स्की जिलों में मलबा गिरने की सूचना मिली। यूक्रेन के राष्ट्रीय रेलवे ऑपरेटर उक्रजालिजिनत्सिया ने कहा कि ड्रोन हमलों से कीव में रेल बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

नालों की सफाई से असंतुष्ट हो अधिकारियों पर भड़के नगर आयुक्त

मोहन नगर नाले की सफाई का निरस्त हो टेंडर : विक्रमादित्य सिंह मलिक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा शहर में हो रही नालों की सफाई, तथा रफ्तार से चल रही सीवर की सफाई व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य विभाग व जलकल विभाग से बैठक की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय भी नगर आयुक्त द्वारा बैठक में लिए गए। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज अधिशासी अभियंता निर्माण एसपी मिश्रा तथा समस्त जोनल प्रभारी भी उपस्थित रहे।

शेष मोहन नगर के नालों की सफाई खुद करेगा निगम

करंट क्राइम। मोहन नगर की सफाई व्यवस्था से असंतुष्ट होकर ठेकेदार को फटकार लगाते हुए नगर स्वास्थ्य अधिकारी को मोहन नगर नालों की शेष बची सफाई विभाग से करने के निर्देश दिए तथा मोहन नगर के नाला सफाई टेंडर को निरस्त किया जाए निर्देश दिये गए।

नालों की सफाई की मॉनिटरिंग बढ़ाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को दिए गए कड़े निर्देश

करंट क्राइम। नगर आयुक्त द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को भी कड़े निर्देश देते हुए मॉनिटरिंग बढ़ाने तथा नालों की सफाई में लापरवाही ना बरती जाए निर्देश दिए गए, स्वास्थ्य विभाग के अलावा जलकल विभाग निर्माण विभाग भी नालों की सफाई में सहयोग करेगा तथा जोनल प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में नालों की सफाई पर विशेष कार्यवाही करेंगे निर्देश दिए गए। 10 दिन के उपरांत निरीक्षण के दौरान यदि किसी प्रकार की शिकायत नाला सफाई न होने की प्राप्त होती है तो विभागीय कार्यवाही भी की जाएगी कड़े निर्देश जारी किए गए।

नालों के ऊपर हो रहे अवैध अतिक्रमण बन रहे हैं सफाई में बाधा, जोनल प्रभारी संभालेंगे कमान

करंट क्राइम। नगर स्वास्थ्य अधिकारी तथा अन्य स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा नालों पर हो रहे अवैध पक्के निर्माण की वजह से सफाई ना हो पाना बताया गया, जिस पर निर्णय लेते हुए नालों पर हो रहे अवैध निर्माण को हटाने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिए गए तथा नालों की तीव्रता से सफाई करने के लिए कहा गया, मानसून से पहले छोटे बड़े सभी नालों की सफाई हो रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिए गए।

नगर निगम सीमा अंतर्गत 555 नालों की सफाई पर हुई समीक्षा प्रत्येक बिंदु का जाना गया हाल

करंट क्राइम। नगर आयुक्त द्वारा निगम सीमा अंतर्गत आने वाले 555 नालों की सफाई पर समीक्षा की गई जिसमें बड़ी-बड़ी प्रत्येक बिंदु पर हो रही सफाई व्यवस्था का हाल जाना गया जिसकी विस्तार से सूचना जलकल विभाग अधिकारियों से तथा सफाई निरीक्षकों से ली गई नालों की सफाई में लापरवाही पर नगर आयुक्त ने सभी उपस्थित अधिकारियों को फटकार लगाई तथा आपसी समन्वय की कमी पर नाराजगी जताई गई।

सीवर समस्याओं के समाधान में रफ्तार को बनाए रखे वाबाग, नगर आयुक्त ने दिए निर्देश

करंट क्राइम। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को सीवर समस्याओं के समाधान पर कार्यवाही की रफ्तार बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए। बैठक में वाबाग की टीम भी उपस्थित रही जिनको आंतरिक वार्डों में सफाई व्यवस्था बनाए रखना तथा प्राप्त होने वाली शिकायतों पर इसी प्रकार तत्परता से कार्य करने की निर्देश दिए गए तथा अधिकारियों को मॉनिटरिंग बनाए रखने के लिए कहा गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि शहर के अधिकांश नालों पर सफाई का कार्य तेजी से चल रहा है 555 में से 81 नालों पर टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से सफाई का कार्य प्रारंभ कराया गया जिसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। बड़े नाले 89 मंजलें 257 तथा छोटे 209 वालों पर भी सफाई जारी है। 474 नालों पर गाजियाबाद नगर निगम अपने उपकरण लगाकर सफाई कर रहा है। मानसून से पूर्व सभी नालों की सफाई पूर्ण रूप से कर दी जाएगी इसके लिए टीम को निर्देश दिए गए हैं 10 दिन तक सभी जोन अंतर्गत विशेष अभियान चलते हुए नालों की सफाई की जाएगी।

वाराणसी सर्किट हाउस में दिनेश कुमार गोयल सभापति ने वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली की बिंदुवार समीक्षा बैठक की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वाराणसी सर्किट में शुक्रवार को दिनेश कुमार गोयल, सभापति प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति की अध्यक्षता में गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात समिति के सदस्यों के साथ एवं जिलाधिकारी वाराणसी, अपर जिलाधिकारी चंदौली, अपर जिलाधिकारी गाजीपुर ,चीफ विद्युत विभाग व विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ मिलकर जनपद वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली की सुयक्त बिन्दुवार समीक्षा बैठक कर विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ कार्यो की समीक्षा की। मीटिग में मुख्य बिन्दु ग्रामीण शहरी क्षेत्र में विद्युत बिल के बकाये की वसूली की प्रगति क्या है, स्थानीय स्तर पर विद्युत सम्बन्धी शिकायतों के निस्तारण की क्या व्यवस्था है, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे विद्युत लाईन लास कितने प्रतिशत है, लाईन लास को राकने के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं व अन्य कई बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त करते हुए उनमें सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। साथ ही वाराणसी में काशी विश्वनाथ मन्दिर के दर्शनों का भी धर्म लाभ उठाया।

इस मीटिग के दौरान सभापति दिनेश कुमार गोयल के साथ विजय बहादुर पाठक, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, रविशंकर पप्पू भैया, डॉ रतन पाल सिंह, जितेन्द्र सिंह सेंगर सदस्यगण विधान परिषद व अपरजिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपरजिलाधिकारी, चीफ विद्युत विभाग व विद्युत विभाग से सम्बन्धित सभी उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में दो निजी विश्वविद्यालयों को मिली स्वीकृति

अयोध्या में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय को संचालन की अनुमति

गाजियाबाद में अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय के लिए आशय पत्र जारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने अयोध्या में 'महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय' के संचालन की अनुमति प्रदान की है, वहीं गाजियाबाद में 'अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय' की स्थापना हेतु आशय-पत्र जारी किया गया है।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने इस अवसर पर जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार निजी क्षेत्र की भागीदारी से उच्च शिक्षा में नवाचार और अधोसंरचना विकास को प्रोत्साहित कर रही है। आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनेगा। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने और युवाओं को स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थानों की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन दोनों प्रस्तावों को समयबद्ध प्रक्रिया के तहत स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा अयोध्या में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत अधिसूचित करते हुए अनुज्ञा-पत्र प्रदान किया गया है। यह विश्वविद्यालय अब निर्धारित शर्तों और अधिसूचना के परिप्रेक्ष्य में औपचारिक रूप से संचालन कर सकेगा। वहीं, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग सोसाइटी, गाजियाबाद द्वारा प्रस्तावित अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की धारा-6 के अंतर्गत आशय-पत्र जारी किया गया है। विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु न्यूनतम 5 करोड़ रुपये की स्थायी विन्यास निधि, शहरी क्षेत्र में 20 एकड़ भूमि तथा कम से कम 24,000 वर्ग मीटर का शैक्षणिक भवन आदि शर्तों को पूरा करना होगा।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एम.पी. अग्रवाल, विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जेल में 81 साल के कैदी की हार्टअटैक से हुई मौत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गुरुवार देर रात सीने में दर्द उठने पर जेल पुलिस कैदी को जेल के अस्पताल में ले गई। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मसूरी पुलिस मौके पर पहुंची और कैदी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां पैनल से शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। यह कैदी हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला था। धोखाधड़ी के मामले में था बंद गाजियाबाद के डासना जेल में पुरुषोत्तम (81 साल) धोखाधड़ी के मामले में बंद था। जेल प्रशासन के मुताबिक कैदी को रात में सोते समय सीने में दर्द उठा। इसकी जानकारी बंदी रक्षकों ने जेल प्रशासन के अधिकारी को दी। जिसके बाद पुरुषोत्तम को जेल के अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जेल प्रशासन ने कैदी के परिजनों को मामले की सूचना दे दी गई है। इंस्पेक्टर मसूरी अजय चौधरी का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। हरियाणा निवासी कैदी धोखाधड़ी के मामले में बंद था।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

आपको बड़े दुःख के साथ सूचित किया जाता हैं।
हमारे पूजनीय पिताजी
स्व० श्री बालक राम चौधरी
अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके दिनाँक मंगलवार 24 जून 2025 को प्रभु चरणों में लीन हो गए हैं। उनकी आत्मिक शांति के लिए शांति हवन प्रातः 9:00 बजे (निवास स्थान) 9/228, Sec -3, राजेंद्र नगर।
श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी
दिनांक 06/07/2025 दिन रविवार
ब्रहम भोज 12 : 00 बजे | रस्म पगड़ी 3:00 बजे
स्थान : ग्रीन ओरा बैंकेट (नबरदार)
प्लाट न० 14, प्रहलादगढ़ी,(नियर केनरा बैंक) साहिबाबाद
॥ :: शोकाकुल परिवार :: ॥
लक्ष्मी नारायण चौधरी (कैबिनेट मंत्री ऊ० प्र०), अशोक चौधरी (पुत्र), सतीश चौधरी (पुत्र), अनिल चौधरी (पुत्र), सचिन चौधरी (पौत्र), संदीप चौधरी (पौत्र), आकाश चौधरी (पौत्र), अशवन चौधरी (पौत्र), शिवम चौधरी (पौत्र), सत्यम चौधरी (पौत्र)
मो० 9810397384 | 9312368099 | 9315221068 | 7042199029

क्यों कहा कहने वाले ने कि एक बाहरी गुर्जर चेहरा क्रान्तिकारी विधानसभा में बिछा रहा है अपनी बिसात? कहने वाले ने कहा इस गुर्जर चेहरे ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से भी कर ली है अपनी बात? ये चेहरा नहीं करेगा हाल-फिलहाल क्षेत्र में खुद को एक्सपोज? मगर अंदरखाने तैयारी चल रही है रोज? पार्टी की हरी झंडी मिलते ही करेगा खुद को एक्सपोज?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के एक बड़े ओबीसी नेता से दूसरे ओबीसी बड़े नेता ने कर दिया है स्पष्ट? सुना है बात को तब स्पष्ट किया था जब हुआ था बड़े वाले नेता को बड़े नेता की बात से कष्ट? इन्होंने इस नेता को दे दिया स्पष्ट संदेश? कहा आप हमारे लिए कुछ भी दुआ करो? मगर हम आपको बता रहे हैं 100 प्रतिशत जिले की एक सीट से चुनाव लड़ेगा हमारा ही फेस? जितना आप सोच रहे हो, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हो चुका है हमारा बेस?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के शर्मा जी इन दिनों चल रहे हैं एक जाट नेता से बहुत ज्यादा नाराज? पुराने वाले सीएम के कार्यक्रम और पुलिस अधिकारी के व्यवहार को लेकर सीने में फंसी हुई है आज भी फांस? ये जब भी कहीं बैठते हैं देते हैं यही संदेश? उस वक्त मैं तो अधिकारी से नेक टू नेक लोहा ले रहा था? मगर तब बहुत ही कमजोर दिख रहा था हमारे जाट नेता का फेस? ये हद से ज्यादा अधिकारी से सर सर सर... करके कर रहे थे बात? सच बताऊं उनकी इस अदा ने कर दिया था मेरा दिमाग खराब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि आपके तीसरे गुर्जर चेहरे की एन्ट्री को लेकर नहीं पड़ा है गागर में सागर भरने वाले नागर जी पर कोई फर्क? हम देख रहे थे उनके पक्ष में उनके समर्थक दे रहे थे तर्क? कह रहे थे क्यों पड़े हो चक्कर में, कोई भी नहीं है टक्कर में? नागर जी का नाम योद्धा की लिस्ट में कोई भी नहीं पायेगा काट? और जिसमें हिम्मत हो उखाड़ कर तो देखे उनकी खाट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे नगर निगम के गलियारे में मौजूद? यहां पर तमाम पार्षद हाउस टैक्स वाली बैठक के मिनट्स को हासिल करने के लिए दिखा रहे थे अपना वजूद? कर रहे थे यहां पर लैटर पर साईन? मगर एक वैश्य पार्षद नहीं दिखा रहे थे पहले जैसी क्रान्ति वाली शाईन? फोटो सेशन से भी कर लिया उन्होंने खुद को दूर? लैटर पर भी उन्होंने अपनी चिड़िया नहीं बिठाई हुजूर? ना जाने इतनी लड़ाई लड़ने के बाद वो क्यों लगा रहे थे बैकफुट वाला टूर?

क्यों कहा कहने वाले ने कि एक बात तो है श्रीमान? भगवा पहलवान समाजिक स्तर पर करते हैं बहुत ज्यादा काम? सुना है वो नोएडा में करा रहे हैं वॉलीबाल गर्ल्स टूर्नामेंट? इस गेम के प्रचार में उन्होंने बड़े बड़े नेताओं को दिया है होर्डिंग पर स्थान? जब हमने होर्डिंग को देखा तब हमारा एक चीज पर गया ध्यान? हमने देखा दर्जनों पुरूष नेताओं के चेहरों को उन्होंने दिया होर्डिंग पर स्थान? नजर नहीं आ रहा था किसी भी महिला नेता का इस पर चेहरा? कम से कम गर्ल्स टूर्नामेंट के नाम पर एक महिला फेस को तो शामिल कर ही सकते थे हमारे पहलवान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें आज तक समझ नहीं आ रहा है मैटर? हाउस टैक्स के खिलाफ जहां तमाम पार्षद और पार्षदपति लिख रहे थे अपने लैटर पर क्रान्ति? तो फिर हिमांशु चौधरी, राजकुमार भाटी, रवि भाटी, कालीचरण पहलवान और राम निवास भैया ने क्यों नहीं समझा जनता का ये मैटर? हमें पता चला है किसी ने भी नहीं दिया इस मामले में अपना निगम वालों को पत्र? क्या कुछ बातों के सामने कमजोर पड़ गये थे इनके अस्त्र?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के पूर्व मंडल अध्यक्ष सियासत में कर रहे हैं विरासत तलाश? सुना है अपने बेटे को मंडल की टीम में लाने का देख रहे हैं वो ख्वाब? देखना अब ये है कि मिस्टर त्यागी अपने प्रिय पुत्र को क्या दिला पायेंगे टीम में स्थान? कहने वाले ने कहा जिस दिन घोषणा हो जायेगी? उस दिन हम नाम भी खोल देंगे श्रीमान? फिलहाल तो इतने ही मैटर से पढ़ने वालों को चलाने दो काम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के एक वैश्य पार्षद का कॉफिडेंस इस वक्त दिख रहा है बहुत ज्यादा हाई? जब इनसे किसी ने जीडीए के बोर्ड में जाने की बात पूछी? तब इन्होंने पूरे कॉफिडेंस से किया रिप्लाई? कहा अध्यक्ष जी, मंत्री जी, मेयर साहब से लेकर अधिकतर चेहरों का मुझे हो चुका है आश्वासन प्राप्त? बोर्ड में तो मैं जा ही रहा हूं? अगर इसके अलावा कोई और बात पूछनी है तो वो पूछ सकते हो आप?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के टी सीरीज वाले एक ठाकुर का कर रहा है जीडीए बोर्ड सदस्य बनने का मन? सुना है अपने दो ठाकुर मैम्बरों को साथ लेकर इन्होंने मंत्री जी को मनाने का किया था प्रयत्न? मंत्री जी की ओर किया था इन्होंने जीडीए में जाने का इशारा? मंत्री जी ने इनके अरमानों को एक झटके में आसमान से उतारा? कहा अभी जो हो उसी से रहो संतुष्ट? भगवान की कृपा से हम किसी और का मामला कर चुके हैं पुष्ट?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट आफ द डे SOCIAL MEDIA

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल लगातार एक्टिव रहते हैं। उनके निवास पर अक्सर राजनीतिक हस्तियों का आना-जाना रहता है और स्वयं अनिल अग्रवाल भी सामाजिक कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं। वह पूर्व मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह के सुपुत्र के सगाई समारोह में शामिल हुए। इस पल को पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।